E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -155 | प्रयागराज, बुधवार 3 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## ट्रम्प के सलाहकार बोले-मोदी को पुतिन-जिनपिंग के साथ देखना शर्मनाक:उन्हें रूस के बजाय अमेरिका के साथ होना चाहिए; यूएस वित्तमंत्री बोले- एससीओ बैठक दिखावा

नयी दिल्ली। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और चीन के नेताओं के साथ नजदीकियों पर आपत्ति जताई है। नवारो ने कहा- 'मोदी का शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़ा होना शर्मनाक है। पता नहीं वे क्या सोच रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वे समझेंगे कि उन्हें रूस की बजाय हमारे साथ होना चाहिए।' इसके अलावा नवारों ने सोमवार को भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे मॉस्को की जंग मशीन को ताकत मिल रही है। उन्होंने भारत को बुरा खिलाड़ी करार दिया। फॉक्स न्यूज से बातचीत में बेसेंट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया एससीओ बैठक को दिखावा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत मजबूत लोकतंत्र हैं और मतभेद सुलझा सकते हैं।सोमवार को चीन के तियानजिन में एससीओ की बैठक हुई। बैठक से पहले फोटो सेशन के दौरान भारतीय पीएम मोदी, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक साथ नजर आए। तीनों नेताओं को एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए भी देखा गया। इसके अलावा पीएम मोदी द्विपक्षीय बातचीत के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार में ही सवार होकर गए। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक गोपनीय बातचीत हुई। इन तस्वीरों को ट्रम्प के खिलाफ तीनों देशों की एकजुटता के तौर पर पेश किया गया। बैठक में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ भी शामिल हुए।इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं है। नवारो ने कहा था कि अगर आज भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो अमेरिका कल से उसका 25फीसदी टैरिफ खत्म कर देगा।पीटर नवारो को ट्रम्प अपना सबसे करीबी सलाहकार मानते है। नवारो ने ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में उनकी व्यापार नीति बनाई थी। ट्रम्प सरकार की आर्थिक नीतियां नवारो ही बनाते है। नवारो 2016 में ट्रम्प सरकार से जुड़े थे। इससे पहले वे 1994 से 2016 तक डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए नीतियां बनाते रहे। कहा जाता है कि वे पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा के अनौपचारिक सलाहकार रह चुके है।नवारो पहले ग्लोबलाइजेशन और खुले व्यापार का समर्थन करते थे, चुनावों में खड़े होते रहे और धार्मिक दक्षिणपंथ की आलोचना भी करते रहे। 1984 में उन्होंने एक किताब लिखी थी जिसमें खुले व्यापार का समर्थन किया था। ट्रम्प के साथ आने पर उन्होंने ग्लोबलाइजेशन की आलोचना शुरू कर दी। पीटर नवारो अक्सर अमेरिका की पुरानी औद्योगिक ताकत की बात करते है। उनका मानना है कि अमेरिका का असली गौरव उस समय था जब यहां बड़े पैमाने पर सामान बनाया जाता था। नवारो का मानना है कि जब चीन को विश्व व्यापार संगठन में शामिल किया गया, उसी समय अमेरिका के लिए मुश्किलों की शुरुआत हो गई थी। उनकी नजर में यह एक तरह का सर्वनाश था और डोनाल्ड ट्रम्प ही ऐसे नेता है जो अमेरिका को बचा सकते है।

## वैष्णो देवी मंदिर 7 दिन से बंद,700 श्रद्धालुओं का खर्च होटल वाले उठा रहे,अभी ट्रेनें हो रही रद्द,200 कमरे खोले,नाश्ता- डिनर सब फ्री दे रह

कटरा। गोंडा निवासी सब रजिस्ट्रार पद पर मनोज श्रीवास्तव लगभग 30 वषी से अपने जत्थे के साथ वैष्णो देवी दर्शन करने जाते रहते हैं, कभी कभार मन विचलित होने पर साल में दो बार या अकेले ही निकल जातें है, और वहां आये दिन भंडारा आदि करवाते रहते हैं और यह क्रम इतना अधिक हैं की वहां के दुकानदार या सेवादार भी उन्हें पहचानतें है. पर अभी बीते कुछ दिनों से वैष्णों देवी में प्राकृतिक आपदाओं के चलते प्रसाशन द्वारा दर्शन को टालने के अनुरोध के कारण वो इस समय दर्शन नहीं कर पा रहें जिससे वो भारी मन से बताते हैं की जैसे ही मौसम उपयुक्त होगा फ़ौरन माता के चरणों में अरदास लगाऊंगा। माँ की शक्ति ही है आज मैं जो कुछ भी हूँ वह सब माता रानी का ही दिया हैं। वही दूसरा मामला आशा श्रीवास्तव का है वो बताती हैं की- 'मैं 26 अगस्त को तीन परिचितों साथ कटरा पहुंची थीं, लेकिन भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा बंद हो गई और मैं होटल में रुक गयी। शुक्र गुजार हूं होटल मालिक का, जिन्होंने 7 दिन से किराया नहीं लिया। नाश्ते से लेकर रात के खाने तक का इंतजाम वही कर रहे हैं। उनकी जिद है कि माता के दर्शन कराए बिना नहीं लौटने देंगे। यह बात कहते-कहते उनकी आंखें भर आईं। उन जैसे करीब 500 श्रद्धालु कटरा में हैं, जो यात्रा मार्ग पर 26 अगस्त को लैंडस्लाइड आने के बाद से फंसे हुए हैं। इनका पूरा खर्च कटरा होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन उठा रहा है। कटरा होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश वजीर ने बताया कि यहां 300 होटल-गेस्ट हाउस हैं, जिनमें 6 हजार कमरे हैं। करीब 200 कमरे श्रद्धालुओं के खोले हैं। हम श्रद्धालुओं को उनकी पसंद का नाश्ता-खाना दे रहे हैं। 200 लोग धर्मशालाओं में हैं। एक हफ्ते से हम भी नुकसान में हैं, पर दुख की घड़ी में एकजुट हैं। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार सातवें दिन स्थगित है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने कहा कि उसने दोबारा यात्रा शुरू होने तक हेलिकॉप्टर और आवास सहित सभी बुकिंग रद्द कर दी हैं। लोगों को 100फीसदी रिफंड दिया जाएगा।यात्रा मार्ग के संवेदनशील इलाकों में स्थित होटलों, दुकानों को तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। इसमें एशिया चौक, बलिनी पुल के बीच, दर्शनी ड्योढ़ी तक हैं। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि इन संवेदनशील हिस्सों में 80 से ज्यादा दुकानें और छोटे होटल आते हैं। दरअसल, ये प्रतिष्ठान भूस्खलन प्रभावित इलाकों में है। यह कदम लगातार बारिश और हाल ही में अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है और वैष्णो देवी यात्रा बाधित हुई है।श्री वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से पहले बरिदर सेवा समिति मंदिर का प्रबंधन करती थी। समिति के पूर्व अध्यक्ष शेर सिंह बरिदराम ने बताया कि कटरा में हमेशा 30 हजार श्रद्धालु तक रहते थे, लेकिन 7 दिन से सननटा है। श्राइन बोर्ड ने बताया 18 किमी लंबे यात्रा मार्ग पर मरम्मत चल रही है। पूरा होने से बाद ही यात्रा शुरू होगी।

जिन श्रद्धालुओं की हेलिकॉप्टर सेवा, भवन या भैरों घाटी के बीच रोपवे, होटल की बुकिंग थी, उन्हें पैसा रिफंड कर रहे हैं। 26 अगस्त को अर्द्धकुंवारी मंदिर के पास भूस्खलन में 34 लोगों की जान चली गई थी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को जम्मू पहुंचे। उन्होंने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही का निरीक्षण किया। उन्होंने जम्मू की कनेक्टिविटी जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही, सेना और केंद्रीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की सराहना की। बता दें कि जम्मू रीजन में बारिश और बाढ़ में कई पुल टूट गए हैं।

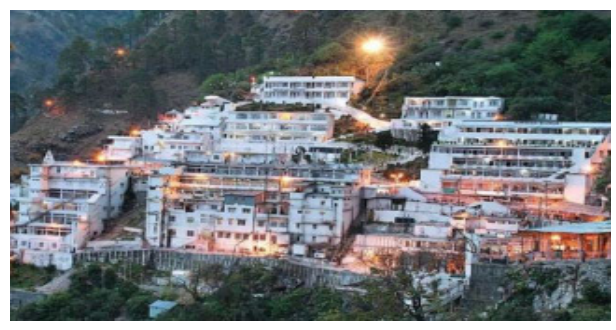

## जल्द यूपीआई और एटीएम से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा,सरकार की तैयारी पूरी, इससे जरूरत के समय तुरंत पैसा मिल सकेगा

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जल्द ही अपनी नई डिजिटल सेवा 'ईपीएफओ 3.0' लॉन्च करने जा रहा है। पीएम इकोनॉमी एडवाइजर काउंसिल के सदस?य इकोनॉमिस्ट संजीव सान्याल ने ईपीओफओ में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। यह बदलाव 2025 में ही लागू होगा और देश के 8 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों को फायदा पहुंचाएगा। मोबाइल एप, डिजिटल डैशबोर्ड और यूपीआई पेमेंट जैसी सुविधाएं कर्मचारियों के जीवन को आसान बना देंगी। ईपीएफओ 3.0 न केवल पैसा निकालने को सरल बनाएगा, बल्कि जानकारी अपडेट करने, क्लेम करने जैसी प्रोसेस को भी तेज कर देगा। कर्मचारी यूएएन को एक्टिव करके और आधार को खाते से जोड़कर एटीएम से पैसे निकाल सकेंगे। इस नई प्रोसेस में ईपीएफओ अपने सब्सक्राइबर्स को एक विशेष एटीएम कार्ड जारी करेगा, जो उनके पीएफ अकाउंट से लिंक होगा। इस कार्ड का इस्तेमाल करके सब्सक्राइबर्स एटीएम मशीनों से सीधे अपने पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। वहीं यूपीआई से पैसा निकालने के लिए आपको अपने पीएफ अकाउंट को यूपीआई से लिंक करना होगा। इसके बाद सब्सक्राइबर्स पीएफ का पैसा अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे। पीएफ विड्रॉल के नियम के तहत अगर किसी मेंबर की नौकरी चली जाती है तो वह 1 माह के बाद पीएफ अकाउंट से 75फीसदी पैसा निकाल सकता है। इससे वह बेरोजगारी के दौरान अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। पीएफ में जमा बाकी 25फीसदी हिस्से को जॉब छूटने के दो महीने बाद निकाला जा सकता है।कर्मचारी को यदि किसी कंपनी में सेवाएं देते 5 साल पूरे हो जाते हैं और वो पीएफ निकालता है तो उस पर इनकम टैक्स की कोई लायबिलिटी नहीं होती। 5 साल की अवधि एक या इससे ज्यादा कंपनियों को मिलाकर भी हो सकती है। एक ही कंपनी में 5 साल पूरे करना जरूरी नहीं। कुल अवधि कम से कम 5 साल होना जरूरी होता है।

## यूपी में अब सरकार सीधे आउटसोर्स कर्मचारी रखेगी,16 हजार तक सैलरी

लखनऊ। यूपी के सरकारी विभागों से अब आउटसोर्सिंग कंपनियां आउट होंगी। अब सरकार खुद आउटसोर्स से भर्तियां करेगी। इसके लिए निगम के तहत पब्लिक लिमिटेड कंपनी का गठन किया जाएगा। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में यूपी आउटसोर्स सेवा निगम कंपनीज एक्ट-2013 के तहत कंपनी गठन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इस मंजूर होना तय माना जा रहा है। इसके अलावा, 12 और प्रस्तावों पर भी मुहर लग सकती है। कंपनी के गठन होने से भर्तियों के नाम पर न तो कर्मचारियों का शोषण होगा, न ही कर्मचारियों की नौकरी पर हमेशा तलवार लटकती रहेगी। सरकार सैलरी सीधे कर्मचारी के अकाउंट में ट्रांसफर करेगी। न्यूनतम मानदेय 16 हजार रुपए रहेगा। पीएफ की सुविधा बनी रहेगी। पब्लिक लिमिटेड कंपनी सरकार के 92 विभागों, स्थानीय निकायों, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थाओं में भी आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती करेगी। माना जा रहा है कि कंपनी के जरिए भर्ती होने वाले कर्मचारियों का वेतन न्यूनतम 16 हजार रुपए होगा। इन प्रस्तावों पर भी लग सकती है मुहर- परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति बांटने (विभाजन) पर स्टांप शुल्क में छूट देने का प्रस्ताव भी मंजूर हो सकता है। प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स (कम्पोनेंट्स) के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक निर्माण नीति-2025 को मंजूरी मिलेगी। शाहजहांपुर में स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी जाएगी। राज्य विधि आयोग और उसके अध्यक्ष की सेवा शर्तों को अब केंद्रीय विधि आयोग के बराबर किया जा सकता है। प्रदेश से सामान का निर्यात बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 लागू होगी। इसमें एमएसएमई से जुड़े उत्पादों को विशेष छूट और रियायत दी जाएगी। कब तक कैसे होती थी आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती- सरकारी विभाग को आउटसोर्स कर्मचारियों की डिमांड के लिए जेम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल पर टेंडर निकालना होता है। जिस आउटसोर्स कंपनी को ठेका मिलता है, वह सेवायोजन विभाग को वैकेंसी का लेटर भेजती है। इसी पोर्टल पर बेरोजगार के एनरोलमेंट होते हैं। वह नौकरी के लिए अप्लाई करते हैं। वायोजन पोर्टल रेंडमाइजेशन से कैंडिडेट्स का नाम सिलेक्ट होता है। एक पद पर तीन नाम दिए जाते हैं। यह लिस्ट विभाग के पास जाती है। इसके बाद इंटरव्यू होता है। इंटरव्यू में दो अफसर सरकारी विभाग के और दो अफसर आउटसोर्स कंपनी के होते हैं। इंटरव्यू के बाद सिलेक्शन किया जाता है। कुछ पोस्ट के लिए लिखित एग्जाम होता है।सभी विभाग उनके यहां आउटसोर्स से होने वाली भर्ती के लिए प्रस्ताव कंपनी को देंगे। कंपनी की ओर से उन पदों के लिए वैकेंसी निकाली जाएगी। कंपनी ही संबंधित विभाग की जरूरत, पद, शैक्षणिक योग्यता और शर्तों के मुताबिक सिलेक्शन कर कर्मचारी देगी।कंपनी यह भी सुनिश्चित करेगी कि कर्मचारियों का वेतन और अन्य सुविधाएं समय पर मिलें। सेवा शर्तों के मुताबिक, उनके पीएफ की कटौती हो। पीएफ कटौती की राशि ईपीएफओ खाते में जमा हो।ऑनलाइन आवेदन भी लिए जाएंगे। समूह- ख और ग से जुड़े पदों के लिए लिखित परीक्षा के साथ इंटरव्यू की व्यवस्था भी होगी। लेकिन समूह- ग के कुछ पदों और समूह घ के सभी पदों पर उसके लिए आवश्यक शैक्षणिक और तकनीकी योग्यता के आधार पर सीधी भर्ती ही की जाएगी।आउटसोर्स कर्मचारी एक बार भर्ती होने के बाद काम करते रहेंगे। उनसे एक-एक साल का कांट्रैक्ट साइन कराया जाएगा। लेकिन जब तक कर्मचारी की जरूरत रहेगी, वे संबंधित विभाग में काम करते रहेंगे। किसी भी कर्मचारी के खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज हो गया। या फिर ऑफिस में सेवा नियमावली के खिलाफ कोई काम किया। दुराचरण या रिश्वत जैसी कोई शिकायत मिली तो उन्हें हटा दिया जाएगा।संविदा की तरह आउटसोर्स कर्मचारी की सेवा में प्रमोशन का कोई प्रावधान नहीं रहेगा। सरकार उनके मानदेय और भत्तों में बढ़ोतरी पर विचार कर समय-समय पर बढ़ाएगी। उनके मानदेय से पीएफ की कटौती की जाएगी। पीएफ के साथ ही उनका स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा भी होगा।नर्स, फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर, तकनीकी सहायक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सफाई कर्मचारी, लिपिक, ड्राइवर, प्लंबर, लिफ्ट मैन, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन के सबसे ज्यादा पद भरे जाएंगे। इनके अलावा डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, पशु चिकित्सक सहित समूह- ख के अन्य पदों पर भी भर्ती की जाएगी।सूत्रों के मुताबिक, कंपनी के गठन के बाद वर्तमान में आउटसोर्स से काम कर रहे किसी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। संबंधित एजेंसी का जब तक टेंडर है, वह उस अवधि तक काम करेगी। उसके बाद उस एजेंसी के कर्मचारियों को कंपनी के जरिए संबंधित विभाग में काम दिया जाएगा।यूपी में आउटसोर्स कर्मचारियों का बजट बीते 6 साल में करीब पौने तीन गुना तक बढ़ गया है। 2019-20 में आउटसोर्स कर्मचारियों पर 684.19 करोड़ रुपए व्यय किए गए थे। जबकि 2025-26 में इसके लिए 1796.93 करोड़ का बजट प्रावधान किया है।

## धार्मिक मेले में अश्लील डांस,भोजपुरी गानों पर जमकर लगे ठुमके,बिगाड़ रहें हैं संगमनगरी की संस्कृति

प्रयागराज। धार्मिक मेले में जमकर अश्लील डांस हुआ। स्टेज पर 3 डांसर हिन्दी-भोजपुरी गानों पर थिरकती नजर आईं। युवाओं की टोली भी साथ में झूमते-मस्ती करते दिखे। कुछ लोगों ने स्टेज पर चढ़कर डांस कर रहीं लड़कियों पर नोट भी लुटाया। इस दौरान कुछ युवकों ने हंगामा किया। आयोजकों के साथ उनकी कहासुनी-धक्कामुक्की भी हुई। आयोजन कराने वाले युवक स्टेज से अन्य युवकों को भगाते नजर आए। मेजा खास के बोलन नाथ धाम में हर साल इस महीने के हरितालिका पर 2 दिवसीय मेला लगता है। मेले में बार-बालाओं ने भोजपुरी गानों पर जमकर डांस किया।यह मेला खासकर महिलाओं के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे पहुंचते हैं। उसी जगह पर अश्लील डांस से लोग असहज हो गए। ??मेले में सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात थी। थाना प्रभारी जीप से गश्त करते रहे, लेकिन अश्लील डांस होता रहा।मेजा तहसील क्षेत्र से लगभग 1 किमी दूर प्राचीन बाबा बोलनधाम मंदिर है। शिव के इस मंदिर में सोमवार को भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसा कहा जाता है कि शिवलिंग की स्थापना स्वयं पांडवों ने उस समय की थी, जब लक्षागृह स्थित लाख के किले में पांडवों को मारने के लिए कौरवों ने आग लगवा दी थी। मेजा एसीपी एसपी उपाध्याय ने कहा- जो वीडियो वायरल हुआ है, उसे चेक कराया जा रहा है।

अश्लीलता फैलाई गई है, तो जांच कराकर कार्रवाई करेंगे। मेजा के बोलन नाथ धाम में मेले का आयोजन करने वाले मेला प्रभारी अंकित साहू ने कहा- आरकेस्ट्रा कमेटी ने नहीं कराया। जहां आरकेस्ट्रा चल रहा था, वहां हर साल दशहरा पर रावण का पुतला दहन किया जाता है। इसका आयोजन करने वालों को बुलाया गया है। यह धार्मिक स्थल अभी तक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। मंदिर के पुजारी भानु पांडे के आग्रह पर इलाहाबाद के मेयर उमेश गणेश प्रसाद केशरवानी द्वारा सरकार से जुलाई माह में 1 करोड़ 9 लाख की धनराशि मंदिर के जीणोद्धार के लिए स्वीकृति की गई। जल्द ही इसका निर्माण शुरू कराया जाएगा।

## 27 लाख की धोखाधड़ी में साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़िता को वापस दिलाए 12 लाख रुपये,क्रिप्टो क्या न करवाए

प्रयागराज। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक महिला को ऑनलाइन ठगी से राहत दिलाई है। टीम ने तेज़ी और तत्परता दिखाते हुए 27 लाख रुपये की ठगी में से 12 लाख रुपये वापस दिलाए। पुलिस की इस उपलब्धि से पीड़िता ने राहत की सांस ली और अधिकारियों का आभार जताया। मामला थाना साइबर क्राइम प्रयागराज पर दर्ज मुकदमा संख्या 34/2024 का है। इसमें वादिनी से किसी अज्ञात शख्स ने ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी में निवेश का लालच देकर 27 लाख रुपये की ठगी कर ली थी। मुकदमा धारा 319(2)/318(4) एवं 66(सी)/66(डी) आईटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज किया गया। पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त गंगानगर/नोडल साइबर के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त (क्राइम) के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। टीम ने विभिन्न बैंकों और ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफार्म से लगातार संपर्क साधा। अथक प्रयासों के बाद पुलिस 12 लाख रुपये को ट्रैक कर पाने और उसे होल्ड कराने में सफल रही। यह राशि 1 सितंबर 2025 को वादिनी के खाते में सुरक्षित वापस कराई गई।पैसे वापस मिलने के बाद पीड़िता कार्यालय पहुंची और उच्च अधिकारियों व पूरी पुलिस टीम को धन्यवाद पत्र सौंपते हुए सराहना की। उसने कहा कि पुलिस की मेहनत और तत्परता के कारण उसे बड़ी राहत मिली है। पुलिस टीम को निरीक्षक ओम नारायण गौतम, थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट प्रयागराज,कांस्टेबल अनुराग यादव, थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट प्रयागराज, महिला आरक्षी शिखा सिंह, थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट प्रयागराज।

## राजापुर दधिकांदो मेले में मारपीट,दो गुटों ने एक-दूसरे पर फेंकी कुर्सी, चाट की दुकान पर खूब चले लात-घूंसे

प्रयागराज। राजापुर इलाके में रविवार रात दधिकांदो मेले में चाट की दुकान पर हंगामा हो गया। चाट खाने आए दो गुटों के बीच पहले मामूली कहासुनी हुई। इसके बाद एक-दूसरे पर कुर्सियों से हमला शुरू कर दिया। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि दोनों पक्षों ने प्लास्टिक की कुर्सियां उठाकर एक-दूसरे पर फेंक रहे हैं। इस बीच चाट दुकानदार का सामान बिखर गया और उसकी बिक्री की उम्मीद हंगामे में उलझ गई। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को देखकर लोग तरह-तरह की कमेंट कर रहे हैं। कुछ ने इसे 'कुर्सी-क्रिकेट' का नाम दिया, तो कुछ ने लिखा, 'चाट कम, कुर्सियां ज्यादा!' झगड़े की वजह स्पष्ट नहीं है। कुछ का कहना है कि प्लेटों की गिनती को लेकर विवाद हुआ तो कुछ के मुताबिक मसालेदार पानीपुरी पर बहस ने तूल पकड़ा।कैंट थाना पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही मामले की सच्चाई सामने आएगी। हर साल रौनक के लिए मशहूर दधिकांदो मेला इस बार इस अनोखे बवाल की वजह से चर्चा में है।

## राहुल गांधी द्वारा चलाई जा रही वोट अधिकार यात्रा के समर्थन में सम्मिलित हुए सांसद उज्जवल रमण सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कोरांव विधानसभा के सरदार पटेल कोरांव बाजार से सब्जी मंडी कोरांव बाजार तक जिला कांग्रेस कमेटी यमुनापार के कार्यकर्ताओं ने सांसद उज्जवल रमण सिंह, पूर्व विधायक कोरांव रामकृपाल कोल की अगुआई में 'वोट चोर गद्दी छोड़' यात्रा निकाली। लोकतंत्र पर हो रहे लगातार हमले के विरोध में सांसद उज्जवल रमण सिंह जी ने कहा कि वोटर लिस्ट में धांधली और निर्वाचन आयुक्त का जवाबदेह न होना इस बात को दर्शाता है कि लोकतांत्रिक मूल्यों से भाजपा सरकार खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी जी द्वारा लगाए चुनाव आयोग के ऊपर लगाए गए आरोपों के जवाब में अभी तक कोई ठोस बात निकल कर सामने नहीं आई है। वोट चोरी संविधान पर सीधा हमला है तथा इसको बचाने का दायित्व हर भारतीय का है। यात्रा में बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस जनों ने ' वोट चोर गद्दी छोड़' का उदघोष करते हुए संपूर्ण कोरांव बाजार में पद यात्रा की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी यमुनापार के अध्यक्ष अशोक सिंह पटेल समेत , सुशील तिवारी, शंकर लाल आदिवासी,अनिरुद्ध कुमार, उपेंद्र कुशवाहा,आशाराम मिश्रा,जितेन्द्र कुमार राय, अवनीश कोल, मयंक मिश्रा,लोकेंद्र सिंह, चंद्रभान पाल,अर्चना सिंह, गुलाब कली, आशा आदिवासी, सुनीता देवी,अनीता शुक्ला, नीलम देवी,कामद प्रताप सिंह, रावेंद्र सिंह, धनंजय प्रताप, बबलू शुक्ला, बाबू सिंह कोल, आशुतोष केशरी, लाल बहादुर, राजेश कुमार, रोहिणी पाल, शिव नारायण सिंह पटेल, कल्लन, दिनेश कुमार, चंद्र बली पाल, प्रदीप कोल, बड़े लाल केशरी,छोटे लाल कोल, आदि उपस्थित रहे।

## सदियापुर के 11वीं के छात्र पीयूष सिंह की नृशंस हत्या पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचीं निवर्तमान सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को इलाहाबाद की निवर्तमान सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी सदियापुर के 11वीं के छात्र पीयूष सिंह की नृशंस हत्या पर शोकागुल परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचीं। शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्होंने कहा कि मैं और हमारी सरकार ऐसे कृत्य करने वालों की घोर निंदा करती है। इस कांड में लिप्त हर एक अपराधी जेल जाएगा और किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने तत्काल पुलिस आयुक्त को दूरभाष पर कहा कि किसी भी अपराधी को बक्शा न जाए और जिनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है उनको जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए साथ ही शोकाकुल परिवार को पुलिस सुरक्षा तत्काल प्रदान किया जाए। प्रोफेसर जोशी ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत बालक को अपने श्री चरणों में स्थान दें और मैं शोकाकुल परिवार की हर एक संभव मदद के लिए खड़ी हूं। प्रो जोशी के साथ मीरपुर के मंडल अध्यक्ष गया निषाद समाजसेवी हरीश त्रिपाठी ज्ञान कुशवाहा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रो रीता बहुगुणा जोशी के मीडिया प्रभारी मनु कक्कड़ ने दी।

## निःशुल्क 70 मरीजों का आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को जेल स्टेडियम के पास इतिशा पाली केयर सेन्टर रायबरेली द्वारा पूर्व नियोजित, निःशुल्क परामर्श शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें वैध निशा सिंह ने (एम0डी0-पंचकर्मा द्वारा 70 मरीजों का आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया गया। साथ में दवा निःशुल्क वितरित की गयी।वैध निशा सिंह ने बताया कि सबसे जायदा मरीज पेट की समस्या वाले रोगी का उपचार किया और फिर ज्वाइंट पेन घुटनों से पीड़ित रोगी आयुर्वेद दवाई व जेल ट्यूब लगाने को दिया गया । वैध निशा ने कहा कि समाज को एलोपैथिक दवाओं का फायदा तो तुरंत होता है। लेकिन लीवर किडनी में गंभीर नुकसान मरीजों उठाना पड़ता है। इसलिए आयुर्वेद से लाभ भी मिलता है कोई साइड इफेक्ट्स नहीं है।और बीमारी जड़ से खत्म होती है। निःशुल्क शिविर में इतिशा पाली केयर सेन्टर के संचालक अवशरण वर्मा, प्रेम प्रकाश सिंह तथा दवा प्रतिनिधि मनीष श्रीवास्तव और स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज विकास प्राधिकारण ने नैनी मे बाबा गार्डन, दीपक गेस्ट हॉउस, देसी तड़का रेस्टोरेंट, स्वागत ग्रैंड बारात घर क़ो किया सील, मानक के विपरीत निर्माण पर हुई कार्यवाही।**

## श्री नरेश पाल सिंह ने किया उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय रेल के वर्ष 1988 बैच भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री नरेश पाल सिंह ने दिनांक 01 सितंबर 2025 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। यह पद निवर्तमान महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चंद्र जोशी के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुआ था। श्री सिंह को यह उनके बनारस रेल इंजन कारखाना(बरेका) के महाप्रबंधक के दायित्व के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार है। श्री सिंह ने अपने सनतक की उपाधि आईआईटी, रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 1987 प्राप्त की थी। श्री नरेश पाल सिंह ने रेलवे के कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवा देते हुए असाधारण उपलब्धियां हासिल की है। अपने लंबे केरियर में इन्होंने मध्य रेलवे के मंडलों में विभिनन क्षमताओं जैसे लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सामान्य सेवाएं आदि में कार्य किया है । उन्होंने मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर/ रोलिंग स्टॉक, अपर मंडल रेल प्रबंधक/संचालन, मुंबई मंडल के रूप में भी उल्लेखनीय सेवा प्रदान की है । साथ ही, मुंबई रेल विकास निगम में मुख्य विद्युत इंजीनियर/ परियोजना के रूप में भी कार्य किया। बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्य भार ग्रहण करने से पूर्व, वे 01.09.2022 से मध्य रेलवे, मुंबई में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। नवम्बर 2024 से महाप्रबंधक/बरेका का कार्यभार ग्रहण के उपरांत बनारस रेल इंजन कारखाना ने लोकोमोटिव उत्पादन के क्षेत्र में अनेक मील के पत्थर स्थापित किये हैं। इनके नेतृत्व में बरेका द्वारा निर्मित एयरोडायनेमिक WAP-7 लोको ने तकनीकी उत्कृष्टता का नया उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं रेल ट्रैक पर सोलर पैनल लगाकर हरित ऊर्जा की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी श्री सिंह के नेतृत्व में बरेका ने उल्लेखनीय कार्य किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बरेका ने 477 लोको निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसके पूर्व श्री नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में मध्य रेलवे में इलेक्ट्रिकल, डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन एवं सामान्य सेवा परिसंपत्तियों के रखरखाव तथा संचालन से संबंधित कई अभिनव परियोजनाओं को शुरू किया गया था। एक प्रमुख परियोजना 25केवी ट्रैक्शन सिस्टम में पहली बार ओवरहेड इक्विपमेंट मास्ट पर ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर लगाकर एरियल अर्थ कंडक्टर को प्रतिस्थापित किया गया। इस परियोजना से भारतीय रेल को कई लाभ प्राप्त होंगे। यह कवच एवं सिगन्ल एवं टेलीकम्युनिकेशन आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक विश्वसनीय संचार पथ प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त ऑप्टिक फाइबर कोर के माध्यम से गैर-किराया राजस्व में भी वृद्धि होगी। रेल नेटवर्क में संचार व्यवस्था और भी मज़बूत व सुरक्षित होगी। ग्राउंड मेकिंग टेकनेलॉजी से भारतीय रेल को करोड़ों रुपये की प्रतिवर्ष बचत होगी।यह परियोजना न केवल तकनीकी उननति का प्रतीक है, बल्कि भविष्य के लिए एक ऐसा कदम है जो भारतीय रेल को अधिक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाएगी। इसके अतिरिक्त , इनके नेतृत्व में मध्य रेलवे में ट्रैक्शन पावर के लिए 10 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट एवं 204 मेगावाट की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रतिस्थापित किया गया।

## गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धर्म और मानवाधिकार की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी - प्रो रीता बहुगुणा जोशी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरु तेग बहादुर जी केवल सिखों के लिए, बल्कि सारे मानवता के लिए अमूल्य है। आज बी एस बेदी जी इंदरप्रीत सिंह उपाध्यक्ष खालसा कॉलेज सरदार

सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धर्म और मानवाधिकार की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी। उनका जीवन हमें सत्य, अहिंसा और धार्मिक स्वतंत्रता की महत्ता सिखाता है, उन्होंने अपनी शहादत से यह संदेश दिया कि धर्म के लिए किसी भी बलिदान से पीछे नहीं हटना चाहिए, गुरु तेग बहादुर जी का योगदान न प्रयागराज में खुल्दाबाद गुरुद्वारा साहब पहुंच कर पवित्र गुरू तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस को समर्पित यात्रा का दर्शन एवं स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह जी, जनरल सेक्रेटरी सरदार दिलजीत सिंह जी सरदार जसमीत सिंह खेड़ा जी सरदार परमजीत सिंह सचदेवा जी, कर्नल सरदार सी एस मेहता जी सरदार निर्मल सिंह जी सरदार मनजीत सिंह मक्कन, सरदार सतिंदर सिंह जी सहित कमेटी के समस्त पदाधिकारीगण एवं सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। प्रो रीता बहुगुणा जोशी को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सरोपा और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

## नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का दूसरा दिन संपन्न

### कौशल विकास प्रमाणपत्र के बाद डिप्लोमा व डिग्री के विकल्पों पर दी गई करियर काउंसलिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी, प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीआई) में चल रहे ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों को कौशल विकास सत्र में विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं को विभिनन तकनीकी और उच्च शिक्षा के विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन दिया। सत्र के दौरान प्रशिक्षुओं ने भी अपने सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिन्टिन मालवीय एवं अखिलेश गिरी उपस्थित रहे। दोनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने और निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे तकनीकी शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें संस्थान के प्रशिक्षकों और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

## आईटीआई परिसर वृद्धाश्रम में नवीनीकृत चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ,महेंद्र अग्रवाल ने बेटे-बहू की स्मृति में किया समाजोपयोगी कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिस दुःख में अधिकांश लोग टूट जाते हैं, उसी पीड़ा को समाजहित में बदलकर उदाहरण प्रस्तुत करने वाले बिरले ही होते हैं। शहर के जवाहर विहार कॉलोनी निवासी एवं मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के जिला संरक्षक एवं ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल के संरक्षक, प्रख्यात समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने ऐसा ही एक प्रेरणादायी कार्य कर समाजसेवा को नई दिशा दी है। उन्होंने अपने स्वर्गीय पुत्र राकेश अग्रवाल और बहू सोनम अग्रवाल की पुण्य स्मृति में स्थानीय आईटीआई लि. प्रांगण, दूरभाष नगर स्थित वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) में चिकित्सा कक्ष का नवीनीकरण कराकर उसे जनसेवा के लिए समर्पित किया। इस चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) मुंशीगंज के एनाटॉमी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. तरुण प्रकाश माहेश्वरी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक माह में दो बार एम्स के चिकित्सक इस वृद्धाश्रम में आकर वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच और आवश्यक उपचार प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। डॉ. तरुण माहेश्वरी की धर्मपतनी श्रीमती आयुषी माहेश्वरी, पुत्र स्पर्श माहेश्वरी, पुत्री स्फूर्ति माहेश्वरी तथा समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल व मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय ने वृद्धजनों को जलपान वितरित कर सेवा का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि महेंद्र अग्रवाल पूर्व में भी वृक्षारोपण, गौसेवा एवं मानव सेवा जैसे विभिनन सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे हैं। अपनों की स्मृति में समाजोपयोगी कार्य करना उनके जीवन दर्शन का हिस्सा बन चुका है। वे मानते हैं कि सच्ची श्रद्धांजलि आँसुओं से नहीं, बल्कि सेवा से दी जाती है। चिकित्सा कक्ष के इस नवीनीकरण से वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी। आश्रम प्रबंधक धनंजय सिंह ने इस सराहनीय पहल पर महेंद्र अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्य भावी पीढ़ियों के लिए यह संदेश है कि अपनों की यादों को अमर रखने का सर्वोत्तम माध्यम जनसेवा है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के स्टाफ सदस्य धनंजय प्रताप सिंह, रामबली सिंह, अनुज श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव के साथ-साथ वृद्धजन शिवरानी, रामकली, पूरन सिंह, शिव लखन, राजा राम, करुणा शंकर, अवधेश कुमार मिश्रा, सतगुरु शरण सहित बड़ी संख्या में वृद्ध महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

## जिलाधिकारी ने अंदावा में बने मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण,मूर्ति विसर्जन के लिए विसर्जन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को गणपति विसर्जन हेतु अंदावा के पास बनाये गये मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मूर्ति विसर्जन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु स्वच्छ जल की व्यवस्था के साथ-साथ प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रकाश के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु वाहनों के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि मूर्ति विसर्जन स्थल के आस-पास कहीं पर भी जाम की स्थिति न होने पाये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर सतर्कता एवं सावधानी बरतने के निर्देश दिये है। कहा है कि कोई भी गहरें पानी में न जाने पाये। लाइफ जैकेट की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। विसर्जन स्थल के पास उचित स्थान पर मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को एम्बुलेंस, चिकित्सकों की टीम तथा आस-पास के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाक्टरों तथा बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, फायर विभाग के अधिकारियों की तैनाती किये जाने के साथ-साथ साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था हेतु सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। अधिशाषी अभियंता, बाढ़ कार्य खण्ड को मूर्ति के विसर्जन वाले स्थल पर जेटी बनाने के साथ-साथ पुलिस विभाग को तालाब पर नाव व गोताखोरों की व्यवस्था, नगर निगम को तालाब के आस-पास सफाई, चूने आदि का छिड़काव, फिसलन से बचाव हेतु रैम्प तथा प्रतिमाओं को हटाये जाने तथा पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, यातायात विभाग को रूट डायवर्जन, यातायात की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था, विद्युत विभाग को विसर्जन स्थल पर प्रकाश व जनरेटर की व्यवस्था, मुख्य चिकित्साधिकारी को विसर्जन स्थल पर एम्बुलेंस, चिकित्सकों, दवाइन्यां व अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था, जलकल एवं जल निगम को विसर्जन स्थल पर पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर श्री सत्यम मिश्र सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर,मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान गणेश जी भाद्र शुक्ल की नवमी तिथि को विधि विधान से हुई पूजा

रायबरेली। सोमवार बाबा जगमोहनेश्वर धाम के प्रांगण में प्रतिष्ठित गणपति के दरबार में आज भाद्र शुक्ल पक्ष के नवमी तिथि पर प्रातः गणपत भगवान का पूजन अर्चन ऋषि अग्रवाल, सतीश श्रीवास्तव ,रेनू श्रीवास्तव देवानंदपुर, रवि सोनी, कृष्ण कांत त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया आचार्य पंडित नीरज तिवारी के द्वारा पूजन संपनन कराया गया सर्वप्रथम गणपत भगवान को दूध, दही ,घी, शहद एवं शक्कर से अभिषेक किया गया। इसके बाद गणेश जी को कढ़ी

चावल, केला ,पंचामृत एवं मेवा का लड्डू समर्पित किया गया। तत्पश्चात आरती संपनन की गई।उक्त अवसर पर पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था शाम 5:00 बजे से 51 बार मयूरेश स्तोत्र का पाठ प्रारंभ हुआ मुख्य यजमान आनंद जायसवाल एवं अभिषेक शुक्ला द्वारा पूजन अर्चन किया। और आरती की गई, पूरी सब्जी, छोले चावल एवं मेवा की खीर प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला आशीष सविता,राजीव दीक्षित, पंडित योगेश मिश्रा, पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी, संदीप मिश्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय थी।

## भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने किया मीडिया क्लब की कार्यकारिणी का स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को नोएडा मीडिया क्लब में विभिन्न क्षेत्रों के आगंतुकों का आगमन हुआ ,भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एस एन सिंह ,ए पी एन टीवी चैनल के एडिटर और वरिष्ठ अधिवक्ता विनय राय और वरिष्ठ पत्रकार और कवि अनिल अंजान मीडिया क्लब पहुँचे ,इस दौरान उनके द्वारा नोएडा मीडिया क्लब की गैलरी में लगी विभिन्न फ़ोटो जर्नलिस्ट द्वारा अपने कैमरों में कैद की गयी तस्वीरों का अवलोकन किया गया और क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों से मीडिया क्लब को लेकर चर्चा की। वार्ता के दौरान तीनों विशिष्ट अतिथियों द्वारा मीडिया क्लब के विकास और आगामी योजनाओं को लेकर यथासंभव मदद करने का आश्वासन भी दिया,साथ ही मीडिया क्लब की कार्यकारिणी का स्वागत किया ,मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ,महासचिव जेपी सिंह ,सचिव जगदीश शर्मा और कोषाध्यक्ष मनोज वत्स एवं उपस्थित अन्य सदस्यों अरुण सिन्हा ,राजेश शर्मा , रंजीत पांडे , पवन राज सिंह आदि द्वारा तीनों अतिथियों का धन्यवाद अदा किया गया।

## महामृत्युंजय पाठ का सफल समापन - जनकल्याण हेतु हवन एवं भंडारा सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। लोक मंच परिवार द्वारा विगत 15 जुलाई से सेक्टर-94 स्थित शिव शंकर कृपा निवास परिसर में प्रारम्भ किया गया 1.25 लाख महामृत्युंजय जाप का सफलतापूर्वक समापन सोमवार, 1 सितम्बर को हवन के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे भक्ति भाव और विधि-विधान से सम्पन्न यह अनुष्ठान नोएडावासियों के जनकल्याण की भावना से आयोजित किया गया था। समापन अवसर पर प्रख्यात पंडितों द्वारा विधिपूर्वक हवन सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और धार्मिक माहौल में आस्था से सहभागी बने। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धर्मेन्द्र चौहान वरिष्ठ उपाध्याक बी जे पी, के.पी. सिंह, नोएडा लोक मंच के महा सचिव महेश सक्सेना, मुकुल बजपिये, शर्मा अंतिम निवास परबंधनक, अश्मिता कछरु, डॉ उमेश सेक्टर 122 के आर डब्लू ए के अध्यक्ष, पंडित हरीश मिश्रा, सतीश नोएडा सिविल विभाग, विभा बंसल कोशायध्यक्ष, रूपेश, गौरव दुबे, पंडित कृपा शंकर, गिरीश शुक्ला, वेद प्रकाश, रागिनी, लुबना तथा नोएडा लोक मंच की पूरी टीम उपस्थित रही। सभी ने मिलकर इस सामूहिक अनुष्ठान को सफल बनाने में योगदान दिया। हवन उपरांत श्रद्धालुओं के लिएब प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तगणों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। नोएडा लोक मंच परिवार ने समस्त नोएडा वासियों के सहयोग और उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी भाईचारा और आध्यात्मिक शक्ति का संचार करते हैं।

## नोएडा पहुंचने पर ,डीएनडी फ्लाईओवर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का सपा नोएडा महानगर ने किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व विधायक शिवपाल यादव ग्रेटर नोएडा जाने के क्रम में सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा नोएडा डीएनडी फ्लाईओवर पर महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की नेतृत्व में भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस दौरान वह प्रत्येक कार्यकर्ता से मिले और उनकी समस्याएं जानने का प्रयास किया। शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान व लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि इस बार निश्चित रूप से समाजवादी की सरकार बनने जा रही है। इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिनमें मुख्य रूप से आश्रय गुप्ता, विकाश यादव ,रामवीर यादव, सुनील चौधरी, मनोवर सैफी ,रोहित यादव, सतवीर यादव ,राणा मुखर्जी ,राजेश अंबावत, हरपाल सिंह ,शालिनी खारी ,बिन्दर यादव, नरेश यादव ,बबलू चौहान ,दीपक यादव , भीष्म यादव, गौरव डेढ़ा ,शिवराम यादव ,रविंद्र यादव, कुलदीप, कृपाशंकर ,सुमित अंबावत ,महकार तंवर ,नीर अवाना, उदय सिंह जाटव ,वीरपाल प्रधान ,शेखर यादव, संतोष, कृष्ण कुमार ,महेश जाटव, अक्षय सिंह भाटी ,जयवीर गुर्जर ,बब्बू यादव ,लोकेश यादव ,गौरव यादव ,राहुल यादव, आरती सिंह, राजेश कुमार, गौरव ,काजल, कोमल, तनु मित्तल वह सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान गणेश जी के दरबार में संपन्न हुआ 51 बार संतान गणपति स्तोत्र का पाठ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। दिनांक 2 सितंबर 2025 को प्रातः 9 बजे 10 दिवसीय गणपत महोत्सव के सातवें दिन के मुख्य यजमान अभिलाख कौशल के द्वारा पूजन अर्चन किया गया। गणेश जी को दूर्वा की माला पहनाई गयी। मोदक और 11 किलो लड्डू का भोग लगाया गया। उसके बाद सामूहिक हवन करते हुए भक्तों को कढ़ी चावल, जलेबी , केला प्रसाद का वितरण किया गया ।

इस अवसर पर रवि सोनी श्रीमती शिशिर शुक्ला, श्रीमती किरण, देव शुक्ला, उपस्थित थे।

शाम को 5:00 बजे संतान गणपति स्तोत्र का पाठ 51 बार आचार्य नीरज तिवारी के द्वारा संपन्न किया गया। जय बाबा गणेश जी का पूजन प्रारंभ हुआ। जिसमें आलोक श्रीवास्तव, शिवांगी श्रीवास्तव , श्रेया श्रीवास्तव, डॉक्टर शकुंलता सिंह, अश्वनी शुक्ला, आशीष सविता, धर्मेंद्र श्रीवास्तव सम्मिलित हुए। पूरे मंदिर परिसर को बिजली की सजावट से भव्य रूप से सजाया गया।

## श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी ने रामलीला के लिए किया भूमि पूजन 22 सितंबर से शुरू होगा मंचन

नोएडा। श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से सेक्टर 46 स्थित ए ब्लॉक रामलीला मैदान में 22 सितंबर से रामलीला महोत्सव के लिए आज भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला महोत्सव का आयोजन 22 सितंबर से 03 अक्टूबर तक चलेगा जहां श्री राम की अद्भुत लीलाओं का मंचन देखने को मिलेगा। वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन व पूनम सिंह ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन और खास होगा इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। पंडित कृष्ण स्वामी ने बताया कि श्री राम के जीवन से प्रेरित लीला का मंचन करने से समाज में और युवा पीढ़ी में संस्कारों का प्रसार होता है। इसलिए रामलीला मंचन और ऐसी अन्य कथाओं का आयोजन आवश्यक है। रामलीला भूमि पूजन के दौरान शहर के प्रमुख व्यक्तियों और अतिथियों ने इस आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर मौजूद मुख्य लोगों में भाजपा महानगर पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान,पूर्व विधायक विमला बाथम, अनिल सिंह, टी एन गोविल, पीयूष द्विवेदी, विपिन मल्हन ,वी के राणा, दीपक विग,मनीष शर्मा, उमेश त्यागी ,गणेश जाटव,योगेंद्र शर्मा,टी सी ,राकेश यादव , अरुण यादव,सुबे यादव ,मनोज चौहान , सुभाष भाटी, भीष्म यादव,मूलचंद गुप्ता , मनोज अग्रवाल, सुशील सिंघल,अनुज गुप्ता,अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल,मुकेश गुप्ता, ओमवीर अवाना, अमित अग्रवाल, सत्यपाल सिंह, प्रेम सिंह, गिरिराज अग्रवाल, पूनम सिंह, वंदना अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, मूलचंद गुप्ता, दिनेश भाटी,ओपी गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता ,रामवीर यादव, सुनील जैन, डिंपल आनंद, रमेश सिंह,अमित त्यागी, रेखा चौहान, मधु चौधरी, प्रवेश शर्मा, राजकुमार बंसल, अमित सिंघल, अशोक गोयल, विकास बंसल, पवन अग्रवाल, चंद्रशेखर अग्रवाल, सौरभ डायमंड,पी के अग्रवाल , भीष्म यादव, रणपाल अवाना, संदीप अग्रवाल, सतपाल यादव, पंकज झा, भूपेंद्र मित्तल, ललित सिंगला, रवि कांत मिश्रा, राजकुमार अग्रवाल (एवरग्रीन) नरेंद्र चोपड़ा, नवीन सोनी, विनीत मेहता, मनोज गोयल, बाबूलाल बंसल, गौरव सिंघल, संदीप चौहान, सौरव गोविल, मनोज बृजवासी, कैलाश शाह, मनोज जायसवाल, ,देवेंद्र प्रताप सिंह, अश्वनी शर्मा, अरुण चौहान , मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## आईएमएस लॉ कॉलेज में लीगल एनरिचमेंट प्रोग्राम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस लॉ कॉलेज में पाँच दिवसीय लीगल एनरिचमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मंगलवार से सोमवार तक आयोजित इस कार्यक्रम में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, मॉक ट्रायल, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल की गयी। जिसमें गणमान्य अतिथि, विधि विशेषज्ञों, संकाय सदस्य एवं छात्रों को एक मंच पर साथ लाकर नए शैक्षणिक सत्र की यादगार शुरुआत की गयी। कार्यक्रम के पहले दिन आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आप अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत पूरे समर्पण, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ करेंगे तो आगे की राह स्वतः ही सरल और सफल हो जाएगी। कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रीवास्तव ने छात्रों से विधि व्यवसाय की चुनौतियों एवं अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मूट कोर्ट मॉक ट्रायल कराया गया जिसमें छात्रों ने अदालत की कार्यवाही का वास्तविक अनुभव प्राप्त की। कार्यक्रम के तीसरे दिन एफएसएसएआई के डिप्टी डायरेक्टर बिपिन पर्ची ने जन स्वास्थ्य में विधि की भूमिका पर प्रकाश डाला। चौथे दिन एडवोकेट रॉबिन राजू ने छात्रों को विधि व्यवसाय में नैतिकता और उत्तरदायित्व के महत्व पर जागरूक किया। वहीं सोमवार को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समापन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों के गीत, संगीत, नृत्य और नाटक ने परिसर को उत्साह और रंगों से भर दिया। समापन सत्र के दौरान डॉ. अंजुम हसन एवं डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने कहा कि विधि शिक्षा केवल धाराओं और संहिताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें रचनात्मकता और समुदाय की भावना भी निहित है। उन्होंने कहा कि जब विधि और संस्कृति मिलते हैं, तब शिक्षा जीवन का रूप ले लेती है।

## प्रधानमंत्री को कांग्रेस द्वारा अमर्यादित टिप्पणी करने पर भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महानगर अध्यक्ष महेश चौहान की अध्यक्षता में एवं जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय पूज्य माता जी के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी देश की असंख्य माता-बहनों और भारत की सांस्कृतिक भावनाओं का अपमान है । यह कांग्रेस की घटिया सोच , अमर्यादित आचरण , तथा उसकी मानसिकता को उजागर करता है। इस अभद्र टिप्पणी पर कॉग्रेस व राहुल गांधी को पूरे देश के सामने माफी मांगनी ही होगी । विरोध - प्रदर्शन हेतु 1/9/2025, शाम - 4:00 बजे से सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष , व कार्यकर्ताओं - उमेश त्यागी महामंत्री, शारदा चतुर्वेदी अध्यक्ष, शिवानी शरद व राजश्री गुप्ता महामंत्री, सत्य नारायण मंडल अध्यक्ष, ओमवीर अवाना, अशोक मिश्रा, दीपक शर्मा, गोपाल सिंह चौहान, ऊषा किशोर व साइमा चौधरी व ममता सिंह मंडल अध्यक्ष, रेनूबाला शर्मा द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।

## नेशनल गेम्स समुराइ में जिले के खिलाड़ियों ने गोल्ड में मारी बाजी,जबलपुर में नेशनल गेम्स तलवार बाजी में गोल्ड मेडल लाकर जिले का नाम रोशन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वैदिक इंटर कालेज रायबरेली के दो छात्र, निर्भध, कैश कश्यप ने जबलपुर मध्य प्रदेश के पंडित रविशंकर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय समुराई (तलवार बाजी की एक विधा) ने उत्तर-प्रदेश की टीम से जूनियर वर्ग में प्रतिभाग करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। निर्वर्ध का फाइनल मुकाबला मध्य प्रदेश से हुआ। जिसमें 9-1 से जीत हासिल कर केश कश्यप का फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र से हुआ। जिसमे 8-6 से जीत हासिल को। छात्रों को कोच अरविंद कुमार सोनकर जी द्वारा दी जाती है। इस प्रदर्शन पर विद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी अभिषेक मनीष कुमार, प्रधानाचार्य राम नारायण सिले ने खुशी जतायी एवं खिलाड़ियों तथा उनके कोच को शुभकामनाएं दी। विधालय के खेल विभाग ने इन खिलाड़ि?यों को सम्मानित किया । इस अवसर पर राजकीय दे0का0 अटौरा बुजुर्ग के शारीरिक शिक्षक मो0 अनीस भी उपस्थित रहे।

## वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओ0डी0ओ0पी0 प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत जनपद में वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://diupmsme.gov.in पर आमंत्रित किये जा रहे हैं। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक वुडवर्क के क्षेत्र में कार्य करता हो। चयनोपरान्त लाभार्थी को 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 सितंबर 2025 है। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि योजनान्तर्गत पात्रता हेतु आवेदन करने की तिथि को प्रशिक्षार्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षार्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नहीं है। उन्होंने बताया कि आवेदक द्वारा भारत अथवा प्रदेश सरकार की अन्य किसी योजनान्तर्गत उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत 02 वर्षों में न प्राप्त किया हो। आवेदक अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य को योजनान्तर्गत केवल एक बार ही लाभान्वित किया जायेगा। परिवार का आशय पति एवं पत्नि से है। आवेदक द्वारा पात्रता की शर्तों को पूर्ण किये जाने के सम्बन्ध में घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

## श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट ने रामलीला 2025 हेतु हुआ भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट. (पुराना हैबतपुर ग्रेटर नोएडा वेस्ट मे भूमि पूजन एवं हवन संपन्न किया।श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया गुप्ता एवं कार्यकारिणी पप्पू पाण्डेय, सचिन कुमार, विजय कुमार प्रमोद यादव,शम्भू नाथ सिंह, धर्मवीर सिंह, अमरकांत झा,मनोज दास, परस राम, परशुराम सिंह,राम प्रसाद चौहान, रंजीत कनोजिया, योगेन्द्रे चौहान, शिव कुमार तोमर,गणेश चौरसिया, महेश फौजी, भानु प्रताप सिंह,रजनी ठाकुर,राजा शंकर पाण्डेय, राम आशीष पंडित,सतीश प्रसाद, हरिमोहन यादव,एवं समाज के मुख्य लोग, निर्मल सिंह,महेश मिश्रा, मनीष तिवारी,रजन द्विवेदी,रामजी प्रसाद,हरिमोहन मिश्रा,चंद्र भूषण, बाबिता देवी,एवं पुराना शिव मंदिर के पुजारी राजेंन्द्रे पंडित एवं अन्य सभी सम्मानित लोगो भूमि पूजन मे समलित हुए।

भूमि पूजन एवं हवन संपन्न हुआ।आगामी श्री रामलीला एवं मेला महोत्सव 2025 मे होने वाले रामलीला मंचन 22सितम्बर से 2 अक्टूबर तक, और 3 अक्टूबर को कवि सम्मेलन के शुभ आरम्भ के लिए श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट ने आज

## ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन बैनर तले जिलाध्यक्ष विनय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सोमवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त श्रम रोजगार सेवक को ज्ञापन सौंपा और माँग किया कि चतरा ब्लाक वेज रोजगार सेवकों का ई0पी0एफ0 सन् 2015-16 से अल्पमान देय में कट रहा है। शासन द्वारा बार-बार निर्देशित करने के बावजूद आज तक लगभग 1 लाख या किसी रोजगार सेवक के खाते में उससे भी कम धनराशि जमा हो पाया है। जनपद के अन्य ब्लाकों में चतरा को छोड़कर लगभग 2 लाख से ऊपर की धनराशि जमा की जा चुकी है। ब्लाक चतरा के सिथिलता का वेज कारण धनराशि जमा नहीं किया गया या ई0पी0एफ0 फण्ड बुक नहीं कराया गया है। स्पष्ट रूप से कोई जवाब नहीं दे रहा है। आज गरीब रोजगार सेवक के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है तो उनके परिवार के लोग लाभ से वंचित रह जायेंगे और ई0पी0एफ0 का पूरा फण्ड भी उनको नहीं मिलेगा। अगर हमारी माँगों पर तत्काल विचार नहीं किया गया तो जनपद के समस्त रोजगार सेवक आन्दोलन को बाध्य होंगे। योगेन्द्र कुमार विन्द व प्रशान्त सिंह ने कहा कि जनपद के ग्राम रोजगार सेवकों से कृषि विभाग का क्राप सर्वे रोजगार सवकों से कराया जा रहा है। जबकि यह मनरेगा से हटकर कृषि विभाग का योजना है। रोजगार सेवकों का कोई हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है ऐसे में खेतों में जा जाकर कार्य करना है। अगर उनको कोई विषैले सांप या बिच्छू काट देते हैं तो उनकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए यह कार्य किसी सरकारी कर्मचारी से कराया जाय। इस मौके पर योगेंद कुमार प्रदीप,सौरभ, प्रशांत सिंह, संजय कुमार,बाबू लाल, त्रिलोकी,विनय,प्रदीप कुमार, प्रशांत,विजय बहादुर,नंदलाल, प्रमोद पांडे,अमरनाथ आदि लोग मौजूद रहे।

## तकनीकी सहायक के खिलाफ ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन,मनरेगा भुगतान सहित विकास कार्यों में की जा रही लापरवाही आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज ब्लॉक के ग्राम करारी के ग्रामीणों ने सोमवार को अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्राम प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा मजदूरी का भुगतान महीनों से लंबित है, जिससे उनका परिवार संकट में है। इतना ही नहीं, तकनीकी सहायक विनोद शुक्ला पर अभद्र व्यवहार का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। वहीं ग्राम प्रधान संगीता त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम करारी, विकास खंड राबर्ट्सगंज के ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में अपनी आवाज बुलंद की। ग्राम प्रधान के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मनरेगा के तहत किए गए कार्यों की मजदूरी का भुगतान लंबे समय से नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी वे मजदूरी की मांग करते हैं तो तकनीकी सहायक विनोद शुक्ला उनके साथ बदसलूकी करता है। यही नहीं, खंड विकास अधिकारी पर भी उचित व्यवहार न करने के आरोप लगाए गए। ग्रामीणों का कहना है कि मजदूरी न मिलने से उनके घरों का चूल्हा तक जलाना मुश्किल हो गया है। कई बार गुहार लगाने के बाद भी सुनवाई न होने से नाराज़ ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर अबरार,वेद मनी,विजेंद्र, अमीना बेगम, शबनम, राम लोचन,दिनेश,रूबी,सोनी,भुअर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## समस्त दिव्यागज श्रेणी के वृद्ध व्यक्ति पंजीकरण हेतु आमंत्रित हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी महोदय सोनभद्र की अध्यक्षता में एलिम्को कानपुर, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सोनभद्र मुखा चिकित्साधिकारी, सोगभद्र, व अन्य जिला प्रशासन के सहयोग से जनपद के दिव्यांगजनो को कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण हेतु पंजीकरण करेक्टीव सर्जरी हेतु 0 से 18 वर्ष लोगो के पंजीकरण, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत कराने हेतु परीक्षण व वृद्धजनों को छड़ी पावर चश्मा, कृत्रिम दाँत इत्यादी हेतु पंजीकरण व यथा सम्भः शासन द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार सहित अन्य पुनीत कार्य करने हेतु दिनांक 08.09.2025 को विकास खण्ड परिसर रावर्ट्सगंज में दिनांक 09.09.2025 को विकास खण्ड परिसर चतच एवं नगवों में, दिनांक 10092025 को विकास खण्ड परिसर करमा में, दिनांक 11.09.2025 को विकास खण्ड परिसर घोरावल में दिनांक 12092025 को विकास खण्ड परिसर चोपन में दिनांक 15.09.2025 को विकास खण्ड परिसर कोन, दिनांक 18.09.2025 को विकास खण्ड परिसर दुद्धी एवं दिनांक 15092025 को विकास खण्ड परिसर बभनी व म्योरपुर में शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में जनपद के समस्त दिव्यांगजन व बी0पी0एल0श्रेणी के वृद्ध व्यक्ति पंजीकरण हेतु आमंत्रित है, शिविर में लाम हेतु दिव्यांगजन 02 फोटो, जाय प्रमाण-पत्र दिव्यांग प्रमाण-पत्र व आधार कार्ड सहित व वृद्धजन बी0पी0एल0प्रमाण-पत्र व वृद्धापेंशन प्रमाण-पत्र, आधार सहित उपस्थित हो। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सोनभद्र। कार्यालय - जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सोनभद्र। पत्रांक सी-468/ दिव्यांग जान शिविर/2025-26 दिनांक 01-09-2025

प्रतिलिपि- निमनलिखित को सूबनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित। 1. निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, 3000, लखनऊ। 2 जिलाधिकारी, सोनभद्र। 3. मुख्य विकास अधिकारी महोदय, सोनभद्र। 4. मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र। 5. समस्त उपजिलाधिकारी, सोनभद्र। 6. उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, विन्ध्याचल मण्डल, मिर्जापुर। 01/09/25 जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सोनभद्र।

## शिकायतों पर निस्तारण को दिए गए दिशा निर्देशःरूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भन का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। जिस में बरसात में हो रही समस्या से जूझ रहे वार्ड वासियों के द्वारा नाली व सड़क मरम्मत के संबंध में नगर में जल भराव से हो रही समस्या सड़क और नाली आए दिन जल भराव के कारण घरों में पानी घुस रहा है आम जनमानस को हो रही परेशानियों को अनदेखा कर विकास नगर वार्ड नंबर 5 में विभिनन समस्याओं को लेकर हुए नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा वार्ड नंबर एक और आठ के बीच में कराए जा रहे कार्य की गुणवत्ता कि जांच के लिए भी ज्ञापन दिया गया जिसमें मुख्य रूप से उत्कर्ष पांडे जिला मंत्री भाजपा युवा मोर्चा धीरज मिश्रा अनुपम चौबे बूथ अध्यक्ष बृजेश कुमार त्रिपाठी बूथ अध्यक्ष अनुराग सिंह रोहित पाठक अंकित शर्मा मयंक मिश्रा विनय जायसवाल पूर्व सभासद महेंद्र शर्मा विकास चौबे अनुज सिंह बिट्टू शिवानंद शुभम सौरभ शिवम आदि वार्डवासी मौजूद रहे. तत्कम में जनसुनवाई (राम्भन) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबरा में 2, नगर पंचायत रेनुकूट में 5. नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुदी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 3, नगर पंचायत अनपरा मे 3, समस्त निकायों में कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, पप्पू दुबे , अजीत सिंह, विमलेश कुमार, संत सोनी,सुजीत, अजय कुमार,राजीव गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

## कांग्रेस कार्यालय के पास आकर प्रदर्शन करना दर्शाता है भाजपा की नैतिकता, भाजपा सरकार में खुलेआम उड़ाई जा रही है लोकतंत्र की धज्जियां- रामराज

### कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रशासन द्वारा रोककर खुलेआम की गई लोकतंत्र की हत्या,भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आज माहौल बिगड़ने की गई साजिश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।सोनभद्र कांग्रेस कार्यालय पर निवर्तमान प्रदेश सचिव करमचंद बिंद की उपस्थिति में कार्यकर्ता बैठे हुए थे ,तभी दोपहर में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओ के साथ उपस्थित कार्यकर्ता द्वारा कांग्रेस कार्यालय के पास आकर प्रदर्शन किया गया। इसको लेकर जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने कहा कि जिस प्रकार से हमारे कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी को लेकर प्रदर्शन करने का प्रयास किया गया जबकि वहां पर भरपूर मात्रा में प्रशासन पहले से उपस्थित थी और वहाँ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भी प्रशासन आई,लेकिन कार्यालय के सामने पहुंचकर जिस प्रकार से आज अशोभनिय कार्य हुआ, खुलेआम लोकतंत्र की हत्या एवं उसकी धज्जियां उड़ाने का कार्य इस सरकार द्वारा किया जा रहा है जो लोकतंत्र की मजबूती एवं सरकार की सोच को दर्शाता है, प्रशासन की उपस्थिति में जिस तरीके का कार्य हुआ इसकी हम उम्मीद नहीं करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित निवर्तमान प्रदेश सचिव करमचंद बिंद ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कोई भी अशोभनीय कार्य नहीं किया गया उन्होंने देश में चल रहे नारे ' वोट कर गद्दी छोड़ ' की बात कही और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए इस कार्य की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह राजनीति की गलत दिशा को प्रदर्शित करता है और यह दर्शाता है की तानाशाही तरीके से दबाव बनाकर कुछ भी किया जा सकता है, कार्यक्रम में उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन उस बात को कहने का तरीका क्या होना चाहिए उस पर भी ध्यान देने की जरूरत है पक्ष - विपक्ष में एक दूसरे पर कटाक्ष /प्रदर्शन किए जाते हैं लेकिन उसका एक दायरा और सीमा बनी हुई है और इस बात को सभी को समझना चाहिए की सत्ता हमेशा परिवर्तित होती रहती है वो स्थिर नही है। कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे नेता के खिलाफ जिस तरह का कार्य किया गया वो गलत है उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को चॉकलेट बाटकर एक अच्छा संदेश दिया जिससे अन्य लोगों को भी सीख लेनी चाहिए । उपस्थित लोगो वालों में राजबली पांडेय, दयाशंकर पांडेय, आशीष सिंह, पंकज मिश्रा, मनोज मिश्रा, सुनीता तिवारी ,शशि बाला ,मंजू गोड़ , रेखा श्रीवास्तव ,युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, जिला महासचिव दयाराम प्रजापति, राष्ट्रीय संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ,शीतला सिंह पटेल, लल्लू राम पांडेय,रोहिल मिश्रा ,अमरेश देव पांडेय, जितेंद्र देव पांडेय, दीपू पांडेय, सनी शुक्ला,प्रदीप चौबे,शंकर भारती,रहे ।

## जनपद के समस्त थाना की मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 के तहत अपने-अपने थाना क्षेत्र में जाकर बलिकाओं / महिलाओं /छात्राओं को किया गया जागरुक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-05' के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूल कॉलेजों, प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिनन विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वनिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना। तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिनन हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

## भाकपा कार्यकर्ताओं का कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन, नगवां बांध के विस्थापितों को मिले न्याय,जनपद में कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना कराने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा एसआईआर ( विशेष पुनरीक्षण) बिहार के संदर्भ में और 130 वें संविधान संशोधन को वापस लेने तथा नगवां बांध के विस्थापितों को न्याय व अन्य मुद्दों को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सोनभद्र जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर धरना दिया गया । उससे पहले भाकपा कार्यकर्ता चुनाव आयोग के खिलाफ और अपने मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए मुख्यालय गेट से जुलूस से निकलकर जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे। जहां कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओ द्वारा जोरदार प्रदर्शन करते हुए धरना दिया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए एसआईआर और 130 वें संविधान संशोधन के विरोध में राष्ट्रपति को और अन्य स्थानीय मुद्दों पर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम ( नमामि गंगे )को सौंपा गया। जहां भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने बताया कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में भाकपा द्वारा विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम है। बिहार में एस आई आर से 65 लाख मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से बाहर कर देने की प्रबल आशंका से जगह जगह विरोध हो रहा है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने कार्ड,आधार और वोटर कार्ड को दस्तावेज के रूप में मानने की सलाह दी है।वोटों में हेरा फेरी और वोटो की चोरी का मामला प्रकाश में आने पर पूरे देश के मतदाताओं में खलबली मच गई है, यह कहीं न कहीं चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे फर्जीवाड़े को दर्शाता है।जनतंत्र में शासन की गलत नीतियों का विरोध करने का अधिकार देश की जनता को भारत के संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। धरने के दौरान पार्टी के नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 130 वे संविधान संशोधन विधेयक के आधार पर निर्वाचित मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों को 30 दिन जेल में रहने पर उन्हें बर्खास्त करने का अधिकार देता है।इससे भारत को फासीवादी राज्य की ओर धकेलने की एक सोची समझी साजिश है और यह भारत के संघीय ढांचे पर कुठाराघात है।बीजेपी के शासनकाल में चुने हुए विरोधी नेताओं को जेलों में डाल दिया जाता है। वही चुने नेता,मंत्री जब बीजेपी में शामिल हो जाते है तो उन्हें क्लीनचिट दे दिया जाता है। भाकपा मोदी सरकार की ऐसी नीतियों का पुरजोर विरोध सड़क से लेकर संसद तक कर रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान जनपद के नगवां बांध के विस्थापितों के सवाल राशन कार्ड और आधार जैसे बुनियादी साक्ष्य को अस्वीकार कर दिया।जिसे सुप्रीम कोर्ट ने राशन को भी उठाया गया। नेताओं का कहना रहा कि 80 के दशक में इस बांध का विस्तारिकरण किया गया, जिससे नौ गांवों की हजारों की आबादी आज भी विस्थापन का दंश झेल रही है। विस्थापन के समय वह जिस जमीन पर काबिज हो कर अपने जीवकोपार्जन को चला रहे हैं। आज वन विभाग द्वारा उन्हें बेदखल करने का हर हथकंडा अपनाया जा रहा है। विभाग द्वारा विस्थापितों का शोषण उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए और विस्थापितों को पुनर्वास जीवकोपार्जन के लिए खेती की जमीन व सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाना चाहिए। जनपद में उच्च शिक्षा वेज लिए कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना जरूरी है, इसके साथ ही यहां लोगों को बेहतर चिकित्सा के लिए बनाया गया ट्रामा सेंटर को तत्काल चालू कराया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ट कॉमरेड चन्दन प्रसाद , अमरनाथ सूर्य, प्रेम चंद्र गुप्ता, देव कुमार विश्वकर्मा, राम जनम मौर्या, भुनेश्वर प्रसाद, सुरज वंसल, ज्योति रावत, गुलाब प्रसाद, नंदू गुर्जर, रामपति बिंद, नागेन्द्र कुमार, कांता प्रसाद, सरोज, सबिता देवी, मोहम्मद मुस्तफा, कतवारू, बाबू लाल चेरो, बुधवंत, शंकर भारती आदि के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## जल भराव की समस्या एवं बेतरतीब नाली निर्माण के संबंध में स्थानीय पत्रकारों से प्रेस वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की एक आवश्यक बैठक स्थानीय होटल वैभव में आयोजित की गई इसके उपरांत नगर में जल भराव की समस्या एवं बेतरतीब नाली निर्माण के संबंध में स्थानीय पत्रकारों से प्रेस वार्ता भी संपनन हुई। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि नगर में जो नाले का निर्माण किया गया इसकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) ही संदिग्ध है डीपीआर किसी भी परियोजना का ब्लूप्रिंट खाका है जिससे उसकी उपयोगिता, लागत, लाभ, व्यवहारिता सिद्ध की जाती है डीपीआर रोड मैप की तरह काम करता है इसमें काम शुरू होने से लेकर पूरा होने तक की सभी प्रक्रियाएं समय सीमा जिम्मेदारियां एवं चरणवार कार्रवाई लिखी होती है। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय है कि नाले का यह यह प्रोजेक्ट बढौली चौराहे से लेकर इस नाले को हिंदवारी बेलन नदी में गिराना था लेकिन इस प्रोजेक्ट को डाइवर्ट कर दिया गया एवं नगर में बनाया गया नाला सफेद हाथी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में नाली के गंदे पानी को सीधे पकरी जाने वाले नहर में गिराया जा रहा है जो अत्यंत बदबूदार है। यह पानी सिंचाई एवं पशुओं के पीने में उपयोग होता है जिससे संक्रामक बीमारियां भी फैल सकती है एवं पशु मर भी सकते हैं आदर्श नगरपालिका में गंदगी एवं जल जमाव के कारण मच्छर के लार्वा पनपने एवं संक्रामक रोग फैलने की पूरी पूरी आशंका बनी हुई है प्लाई ओवर के नीचे गंदगी का अंबार लगा है। श्री शर्मा ने कहा कि भारत में जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 के अनुसार बिना शोधन किए हुए अपशिष्ट को जल या नदी में गिराना कानूनी अपराध है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं। नगर की समस्या का निराकरण करने के बजाय लोगों का ध्यान भटका रहे हैं एवं स्थानीय लोगों को गुमराह किया जा रहा है। हर व्यक्ति अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरे के ऊपर फोड़ना चाहता है जबकि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि किसी भी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति को मिले। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि 2016 में फ्लाईओवर निर्माण के बाद उपसा द्वारा जो नाले का निर्माण किया गया था उसका ढलान सही न होने के कारण पानी का निकास नहीं हो पा रहा है जगह-जगह जल भराव की स्थिति उत्पनन हो रही थी तो पहले कारण खोज कर उसकी सही डिजाइन बनाकर जल भराव के कारणों को दूर किया जाना चाहिए था। तब दूसरे नाले का निर्माण करना चाहिए था। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि धर्मशाला चौक से चांदी होटल रास्ते पर पहले से चलभराव की स्थिति का सामना नगर वासी कर रहे थे फिर इसी पैटर्न पर नगर में नाली का निर्माण कर दिया गया कई जगह सड़क से ऊंची नाली होने के कारण जल भराव की स्थिति उत्पनन हो रही है तमाम ऐसे भी घर है जिनका लेवल नाली के नीचे है उनके घर के पानी का निकास पीछे धकेल रहा है ऐसे में पानी का निकास कैसे संभव होगा। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि 2020 के प्रोजेक्ट को 2025 में वह भी बरसात के महीने मेंआनन-फानन में नाली निर्माण की क्याआवश्यकता थी इस संबंध में प्रत्येक घरों से निकलने वाले पानी की मात्रा एवं स्थानीय लोगों से राय लिया जाना चाहिए था इतना ही नहीं निर्माण कंपनी द्वारा नाली का कीचड़ भी उठाकर सड़क पर फेंका गया और फिर उसी गंदे कीचड़ से गड्ढे पाट दिए गए। निर्माण के मापदंडों को पूरा नहीं किया गया नाले के नीचे गिट्टी की ढलाई भी नहीं की गई। दिलकरन सिंह ने कहा कि नगर के नागरिक इस भयावह समस्या से पिछले दो दशकों से जूझ रहे है परंतु इसका कोई स्थाई समाधान नहीं निकल पा रहा है अगर यही दशा रही तो यहां के व्यापारियों को सड़क पर उतरना मजबूरी होगी। अमित अग्रवाल एवं गुरप्रीत सिंह ने कहा कि नगर विकास मंत्री एक शर्मा जी का स्पष्ट आदेश था कि 30 मई 2025 तक नाली निर्माण, सफाई एवं जल भराव संबंधित समस्याओं का निराकरण किसी भी हाल में कर दिया जाए बावजूद इसके बरसात में ही नाली निर्माण कराया गया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रितपाल सिंह, राजेश जायसवाल ,प्रशांत जैन, दिल करण सिंह, अमित जायसवाल आदि लोगों उपस्थित रहे।

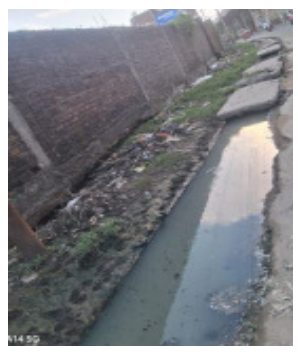

# मरीज के गॉल ब्लैडर से निकलीं 8125 पथरी,इन 10 लोगों को स्टोन का रिस्क ज्यादा,कारण व बचाव के तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पित्ताशय से 8,125 स्टोन निकाले। बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से पेट दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगने, कमजोरी और सीने व पीठ में भारीपन जैसी कई समस्याओं से जूझ रहा था। सर्जरी के बाद अब मरीज को इन समस्याओं से राहत मिली है। मेडिसिन की भाषा में इस बीमारी को गॉलस्टोन कहा जाता है और इसे ठीक करने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे कोलिसिस्टेक्टॉमी कहते हैं। पिछले कुछ सालों में गॉलस्टोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण हमारी खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान है। ग्लोबल डेटा डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में गॉल ब्लैडर से जुड़ी लगभग 32.9 लाख सर्जरी की गई थी। वहीं क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया की लगभग 6प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से जूझ रही है। अमेरिका में यह आंकड़ा लगभग 15प्रतिशत है। अनुमान है कि आने वाले समय में यह समस्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गॉलस्टोन के खतरे से बचा जा सकता है। गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली) पेट के दाहिनी ओर, लिवर के ठीक नीचे स्थित एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग है। यह पित्त को स्टोर करता है और जरूरत पड़ने पर उसे छोटी आंत में छोड़ता है। पित्त का काम भोजन में मौजूद फैट को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर उन्हें पचाने में मदद करना है। वहीं जब गॉल ब्लैडर में पथरी (स्टोन) बन जाती है तो इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता हैं। इससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है और पेट दर्द, अपच जैसी समस्याएं होने लगती हैं।जब हमारे पित्ताशय के भीतर मौजूद पित्त में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन जैसे तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये अतिरिक्त तत्व पित्ताशय की दीवारों पर जमा होने लगते हैं। समय के साथ ये कठोर होकर पथरी यानी स्टोन का रूप ले लेते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से कारण हैं, जो पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकते हैं।अगर आप ज्यादा फैट खा रहे हैं और आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो पित्त में भी इसकी मात्रा बढ़ जाएगी। वह एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल पित्ताशय की दीवारों पर जमा हो जाता है और धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले लेता है।बिलीरुबिन एक बाय-प्रोडक्ट है, जो रेड ब्लड सेल्स के टूटने से बनता है। अगर शरीर में बहुत अधिक बिलीरुबिन है तो इसका कारण यह हो सकता है कि व्यक्ति को कोई ब्लड डिसऑर्डर है, जो बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स को खराब कर रहा है या फिर लिवर में कोई समस्या है। जरूरत से ज्यादा बिलीरुबिन भी पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकता है।कुछ बीमारियां 'बाइल एसिड मालएब्सॉर्प्शन' का कारण बन सकती हैं, जिसका मतलब है कि शरीर से शौच के रास्ते बहुत ज्यादा बाइल एसिड निकल रहा है। बाइल एसिड की कमी के कारण पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पथरी बनने का खतरा होता है।अगर गॉल ब्लैडर ठीक ढंग से काम नहीं कर पाता है तो वह पित्त को खाली नहीं कर पाता है। ऐसे में पित्त गाढ़ा होकर जमने लगता है और स्टोन बनने लगते हैं।कुछ लोगों में गॉलस्टोन का खतरा ज्यादा होता है। इसकी वजहें शरीर की स्थिति, लाइफस्टाइल या जेनेटिक्स से जुड़ी हो सकती हैं।गॉलस्टोन के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे 'साइलेंट स्टोन' भी कहा जाता है। लेकिन जब यह स्टोन पित्त नली में फंस जाते हैं तो तेज दर्द के साथ मतली, उल्टी और पीलिया जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसका सबसे बेहतर इलाज गॉल ब्लैडर हटाने की सर्जरी है। ये आमतौर पर लेप्रोस्कोपिक तकनीक से होती है और बहुत सुरक्षित मानी जाती है। इसे निकालने के बाद भी व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है क्योंकि सर्जरी के बाद पित्त सीधा लिवर से छोटी आंत में पहुंचता है। अगर गॉल ब्लैडर में ज्यादा सूजन, इन्फेक्शन या जख्म हो तो डॉक्टर ओपन सर्जरी की भी सलाह दे सकते हैं।

# मिचेल स्टार्क ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया,2027 वनडे वर्ल्ड कप और एशेज पर फोकस करेंगे, 2024 में खेला था आखिरी मुकाबला

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 साल के स्टार्क ने यह फैसला टेस्ट और 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप पर फोकस करने के लिए लिया है। उन्होंने आखिरी टी-20 मुकाबला 2024 में वर्ल्ड कप में खेला था। टी-20 करियर का शानदार सफर स्टार्क ने 65 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले, जिनमें उन्होंने 79 विकेट लिए। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (4 विकेट) रहा।स्टार्क 2021 में यूएई में हुए टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, 'मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी-20 मैच का लुत्फ उठाया, खासकर 2021 वर्ल्ड कप का, न सिर्फ जीत की वजह से, बल्कि उस शानदार टीम और उस दौरान की मस्ती की वजह से।' टेस्ट और वनडे पर फोकस करेंगे स्टार्क ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट हमेशा उनकी पहली प्राथमिकता रहा है। 2026 में ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट शेड्यूल काफी व्यस्त है, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज, साउथ अफ्रीका का दौरा, न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज, जनवरी 2027 में भारत में पांच टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न में 150वीं सालगिरह का एक स्पेशल टेस्ट, और फिर 2027 में इंग्लैंड में एशेज सीरीज शामिल है। इसके अलावा, अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में वनडे वर्ल्ड कप होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन के रूप में उतरेगा। स्टार्क ने कहा, 'भारत में टेस्ट दौरे, एशेज और 2027 वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए, यह फैसला मुझे इन बड़े टूर्नामेंट्स के लिए तरोताजा और फिट रहने में मदद करेगा। साथ ही, इससे नई गेंदबाजी इकाई को अगले टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी का समय भी मिलेगा।'सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष ने स्टार्क की तारीफ सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने स्टार्क के टी-20 करियर की तारीफ की और कहा, मिचेल को अपने टी-20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह 2021 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का अहम हिस्सा थे। उनकी विकेट लेने की काबिलियत ने कई बार मैच का रुख पलटा। हम सही समय पर उनके टी-20 करियर को सम्मान देंगे, लेकिन यह खुशी की बात है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट में लंबे समय तक खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 का ऐलान किया स्टार्क के संन्यास की घोषणा के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है। इस दौरे पर कैमरन ग्रीन नहीं होंगे, क्योंकि वह शेफील्ड शील्ड के पहले राउंड में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। नाथन एलिस भी नहीं खेलेंगे। मैट शॉर्ट, जो हाल ही में चोट के कारण वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए थे और मिशेल ओवेन, जो पिछले महीने डार्विन में कन्कशन का शिकार हुए थे, की टीम में वापसी हुई है। मार्कस स्टोइनिस भी इस दौरे के लिए टीम में शामिल हैं।

# बीसीसीआई ने लीड स्पॉन्सर के लिए जारी किया टेंडर:ड्रीम-11 ने स्पॉन्सरशिप छोड़ी, अल्कोहल, तंबाकू और सट्टेबाजी जैसी कंपनियां नहीं लगा सकेंगी बोली

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टीम इंडिया के लीड स्पॉन्सर के राइट्स के लिए टेंडर बुलाए हैं। ड्रीम-11 ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर से हटने का फैसला किया था। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने सोमवार (25 अगस्त) को इसकी जानकारी दी थी। बीसीसीआई ने जारी टेंडर में कहा, अल्कोहल, तंबाकू, सट्टेबाजी, रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर), क्रिप्टोकरेंसी और पोर्नोग्राफी या जो कंपनी सार्वजानिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे उस तरह के ब्रांड को इस बोली (बिड) में शामिल नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर ट्वीट कर यह जानकारी दी है। टेंडर खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर बीसीसीआई ने मंगलवार को लीड स्पॉन्सर के लिए इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट रिलीज किया है। इसे खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। वहीं टेंडर भरने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। प्रतिबंधित ब्रांड कैटेगरीज- एथलीजर एंड स्पोर्ट्सवियर मैन्युफैक्चरर, अल्कोहल, सट्टेबाजी, क्रिप्टोकरेंसी,रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर), तंबाकू, जो कंपनी सार्वजानिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे. ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। हाल ही में ड्रीम-11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन कर दिया गया था। इस वजह से यह स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। मार्च 2023 तक बायजू था टीम इंडिया का लीड स्पॉन्सर मार्च 2023 तक बायजू टीम इंडिया का लीड स्पॉन्सर था। टीम के खिलाड़ियों के जर्सी पर सामने की ओर बायजू लिखा दिखता था। यह कॉन्ट्रैक्ट अब खत्म हो चुका है। यही वजह है कि टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में बिना स्पॉन्सर वाली जर्सी के साथ मैदान पर उतरी थी।

# ट्राई सीरीज, अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हराया,राशिद खान टी-20 इंटरनेशनल के टॉप विकेट टेकर बने, साउदी को पीछे छोड़ा

नयी दिल्ली। दुबई में खेले जा रहे ट्राई सीरीज के अपने दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हरा दिया। टीम को पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान मैच में 3 विकेट लेकर मेंस टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए। उनके 165 विकेट हो गए हैं। वह न्यूजीलैंड के गेंदबाज टिम साउदी से आगे निकल गए हैं। साउदी के 164 विकेट हैं। राशिद के अलावा, इब्राहिम जदरान और सेदिकुल्लाह अतल की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से अफगानिस्तान ने 188 का स्कोर बनाया। यूएई की टीम टारगेट का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन तक ही पहुंच सकी।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यूएई के तेज गेंदबाजों जुनैद सिद्दीकी और मुहम्मद रोहिद ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी की और पहले तीन ओवरों में केवल 16 रन दिए। रोहिद ने रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर अफगानिस्तान को शुरुआती झटका दिया। पावरप्ले के पहले पांच ओवरों में यूएई ने दबदबा बनाए रखा। हालांकि, छठे ओवर में यूएई ने सागिर खान को गेंदबाजी के लिए उतारा, और यहां से सेदिकुल्लाह अ'ल और इब्राहिम जदरान ने मोर्चा संभाला। सागिर के ओवर में 18 रन बने। जिसकी वजह से अफगानिस्तान ने पावर प्ले में 1 विकेट के नुकसान पर 43 रन बना लिए। सेदिकुल्लाह अतल और इब्राहिम जदरान के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 गेंदों पर 84 रन की साझेदारी हुई। सेदिकुल्लाह अटल ने 40 गेंदों का सामना कर 54 और जदरान ने 40 गेंदों का सामना कर 63 रन बनाए।आखिरी चार ओवरों में अफगानिस्तान ने 49 रन जोड़े, जिससे स्कोर 188 तक पहुंचा। 19वें ओवर में 22 रन बनें। इस ओवर में 2 छक्के और दो चौके भी लगे।189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत शानदार रही। कप्तान मुहम्मद वसीम ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 37 गेंदों में 67 रन की पारी खेली।

वें 10वें ओवर में शराफुद्दीन की गेंद पर गलत शॉट खेल कर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद राशिद ने आसिफ खान को पहली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। राशिद ने इसके बाद एथन डिसूजा और ध्रुव पराशर को भी पवेलियन भेजा, जिससे यूएई की पारी बिखर गई। राशिद ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। राहुल चोपड़ा ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर नाबाद अर्धशतक बनाया। हालांकि, टीम को टीम को जीत नहीं दिला सके।

# सिनर तीसरी बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में:बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया, ओसाका से हारकर गॉफ बाहर

नयी दिल्ली। वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। मौजूदा चैंपियन ने चौथे राउंड में एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया। सोमवार की रात न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में सिनर ने बुब्लिक 6-1, 6-1, 6-1 से हराया। इसमें उन्होंने केवल तीन गेम गंवाए। यह मुकाबला सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट तक चला, जो इस साल के यूएस ओपन में दूसरे सबसे कम समय में खत्म होने वाला मैच था। सिनर की ग्रैंड स्लैम में हार्डकोर्ट पर यह लगातार 25वीं जीत है। क्वार्टर फाइनल में मुसेट्टी से भिड़ेंगे सिनर क्वार्टर फाइनल में सिनर का सामना इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मैच के बाद बुब्लिक ने मजाकिया अंदाजा में सिनर को एआई -जेनरेटेड प्लेयर बताते हुए उनकी सटीकता और मशीन जैसी स्टाइल की तारीफ की। वहीं, एक अन्य मुकाबले में मुसेट्टी ने यूएस ओपन 2025 के चौथे राउंड में स्पेन के जौमे मुनार को 6-3, 6-0, 6-1 से सीधे सेटों में हराया। इसी के साथ मुसेट्टी पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जहां उनका सामना मौजूदा चैंपियन सिनर से होगा। ओसाका ने गॉफ को हराया पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 जापान की नाओमी ओसाका भी इस ग्रैंड स्लैम के विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने चौथे राउंड में अमेरिका की कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराया। ओसाका 2020 के बाद (जिसमें उन्होंने यूएस ओपन जीता था) पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। दोनों खिलाड़ियों की अब तक छह मुकाबले हुए। ओसाका की गॉफ के खिलाफ ओवरऑल यह तीसरी जीत थी। गॉफ ने भी ओसाका को इतने ही बार हराया है।नोवाक जोकोविच ने रविवार रात यूएस ओपन के चौथे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने 144वीं रैंकिंग वाले जर्मन क्वालिफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराया।

# कॉमनवेल्थ गेम्स-भारत के साथ नाइजीरिया का भी मेजबानी का प्रस्ताव,नवंबर में स्कॉटलैंड में फैसला; भारत की 2036-ओलिंपिक की भी दावेदारी

नयी दिल्ली। भारत के साथ ही नाइजीरिया ने भी 2030 में होने वाले सेंटेनरी (100वें) कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्ताव जमा किया है। 31 अगस्त मेजबानी के लिए प्रस्ताव दिए जाने की आखिरी तारीख थी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स (सीएस) के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और नाइजीरिया ने 2030 के सेंटेनरी कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्ताव जमा किए हैं। इन दो खेल महाशक्ति राष्ट्रों की ओर से मिले सकारात्मक जवाब से पता चलता है कि कॉमनवेल्थ गेम्स का महत्व और इसकी विरासत की संभावनाएं अभी भी बरकरार हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने मूल्यांकन समिति का गठन कर दिया है। इस समिति की अध्यक्षता सीएस उपाध्यक्ष सैंड्रा ओसबोर्न केसी करेंगी, जो बारबाडोस कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन और ओलिंपिक समिति की अध्यक्ष भी हैं। समिति में अन्य सदस्यों में हेलेन फिलिप्स, ब्रेंडन विलियम्स, इयान रीड, और एंड्रयू रायन शामिल हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत सितंबर 2025 के अंत में लंदन में दोनों देशों के प्रतिनिधि अपने प्रस्तावों को व्यक्तिगत रूप से पेश करेंगे। इसके बाद समिति अपनी रिपोर्ट सीएस कार्यकारी बोर्ड को सौंपेगी, जो 74 सदस्य देशों और क्षेत्रों के लिए मेजबान की सिफारिश करेगा। अंतिम मंजूरी नवंबर 2025 में ग्लासगो, स्कॉटलैंड में होने वाली सामान्य सभा में दी जाएगी।भारत 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने इसकी मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। 2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। इनमें 1951 और 1982 के एशियन गेम्स और 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स हुए थे।

# आसिफ अली का इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास:58 टी-20 और 21 वनडे खेले, बोले- पाकिस्तान की जर्सी पहनना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर बैटर आसिफ अली ने 33 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि वे डोमेस्टिक क्रिकेट और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में खेलना जारी रखेंगे। आसिफ ने 21 वनडे और 58 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। उन्होंने 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ सात गेंदों में 25 रन की तूफानी पारी खेल कर पाकिस्तान को जीत दिलाई। आसिफ ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरा सबसे गर्व भरा अध्याय रहा है।आसिफ ने आगे लिखा, मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरे परिवार और दोस्तों, जो खुशी के पलों में और मुश्किल हालातों में, जिसमें वर्ल्ड कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी का निधन भी शामिल है, मेरे साथ खड़े रहे, आपकी ताकत ने मुझे आगे बढ़ाया। आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 58 टी-20 इंटरनेशनल 577 रन बनाए। 21 वनडे में उन्होंने 25.46 की औसत से 382 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी वनडे अप्रैल 2022 में लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था जबकि अपना अंतिम इंटरनेशनल मैच उन्होंने अगस्त 2023 में एशियन गेम्स में बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 फॉर्मेट में खेला।

# 'पॉटरी कला' को 'नया योग' क्यों कहा जा रहा है?

इस रविवार, वाट्सएप मैसेज

का बैकलॉग चेक करते समय मैंने अपने एक दोस्त के स्टेटस पर तस्वीर देखी। वह क्ले से बनी कुछ सजावटी व प्राचीन चीजों के बीच खड़ा था। जब मैंने ये जानने के लिए तस्वीर पर क्लिक किया कि वो कहां है, तो मैं हैरान रह गया। सफेद पैंट-शर्ट पहने हुए उसके हाथ क्ले में भिड़े थे और वह लालटेन पकड़े था। जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने मुझे एक और तस्वीर भेजी। इसमें हमारे कुछ अन्य परिचित भी उसके साथ रविवार की एक पॉटरी क्लास में पोज दे रहे थे। हर कोई पिछले तीन रविवार की क्लास में खुद की बनाई कलाकृति पकड़े था। पहले हफ्ते में उन्होंने कला सीखी, दूसरे हफ्ते में कप, गिलास या फूलदान बनाया और एक हफ्ते तक सूखने दिया। इस रविवार को उन्होंने उसे रंगा। उनके चेहरों पर सुंदर-उपयोगी वस्तुएं बनाने की खुशी झलक रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि सिरेमिक व पॉटरी (क्ले या मिट्टी से कलात्मक चीजें बनाना) की दुनिया युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है। पिछले आठ-दस वर्षों में यह अपमार्केट सर्कल में एक ट्रेंड बन गया है। 1 से 12 हफ्तों के ये कार्यक्रम शहरी युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं? पहला कारण इसकी पहुंच है और दूसरा ध्यान केंद्रित करने वाला गुण। पहले क्ले पकाने के लिए भट्टी एक बड़ी बाधा थी, पर आज ये छोटे एयर कंडीशंड स्टूडियो में उपलब्ध हैं। दबाव में काम करने वाले अधिकांश युवा समझ चुके हैं कि पॉटरी के चिकित्सीय लाभ हैं। मेरे एक मित्र ने कहा, 'ये ध्यान की तरह है, जो आपको दिनचर्या से अलग करने में मदद करता है। 'अधिकांश शिक्षित लोग इस प्राचीन कला की ओर लौट रहे हैं क्योंकि यह न केवल विज्ञान है, जिसमें सामग्री, ऑक्साइड, फायरिंग, ग्लेजिंग का ज्ञान जरूरी है, बल्कि कला भी है, जिसमें पेंटिंग है। आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि आखिर क्यों पॉटरी लोकप्रिय वेलनेस ट्रेंड बनता जा रहा है? इसके पीछे कई कारण हैं। 1. माइंडफुलनेस व मेडिटेशनः मिट्टी के साथ काम करने के लिए फोकस की जरूरत है, इससे मानसिक उथल-पुथल कम होती है। बार-बार चाक घुमाकर बर्तन बनाना या हाथ से आकार देना, दोनों ही क्रियाएं ध्यान की तरह शांतिप्रद और थेरेप्यूटिक होती हैं। 2. तनाव में कमीः मिट्टी को आकार देने का स्पर्श अनुभव व रचनात्मक प्रक्रिया दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने में मदद करती है। इसका सीधा असर होता है कि यह कोर्टिसोल को कम करता है। कोर्टिसोल एक ऐसा हार्मोन है जो तनाव और चिंता से जुड़ा होता है। 3. थेरेप्यूटिक लाभः कुछ लोगों के लिए शब्दों में अपनी बात कहना मुश्किल होता है। उनके लिए कुछ बनाना एक प्रकार का संवाद है। इसका एक स्पष्ट लाभ यह है कि यह स्क्रीन से डिस्कनेक्ट कर प्राकृतिक स्व के साथ जुड़ने का मौका देता है। पॉटरी मूर्त कला के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया आत्म-सम्मान और उपलब्धि की भावना को बढ़ा सकती है। 4. शारीरिक लाभः फायदों की सूची में ये सबसे निचले क्रम पर हो सकते हैं। लेकिन मिट्टी को गूंथने, आकार देने और मोल्ड करने की शारीरिक क्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है जो शारीरिक चोटों से उबर रहे हैं। मिट्टी के साथ काम करना फाइन मोटर स्किल्स और हाथ की दक्षता में सुधार कर सकता है। फंडा यह है कि पॉटरी कला युवाओं को उनकी व्यस्त जिंदगी से बचने का मौका देता है। यह कला, माइंडफुलनेस और रिलैक्सेशन का मिश्रण है और इस तरह यह 'नया योग' बनती जा रही है।

# बुरी जीत से अच्छा है, शान से हार जाएं

1960 में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे केविन कार्टर रंगभेद युग में पले-बढ़े थे। गोरे होने के नाते उन्हें कई विशेषाधिकारों का आनंद लिया, पढ़ाई की और वायुसेना में शामिल हुए। 1980 में भेदभाव का सामना कर रहे एक अश्वेत का बचाव करने पर उन्हें पीटा गया। यह घटना उनकी जागृति का महत्वपूर्ण मोड़ बनी। 1983 में उन्होंने कुछ भयानक बम विस्फोट देखे और हिंसा से खिन्न होकर उन्होंने रंगभेद की भयावहता को उजागर करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। 1984 में वे जोहान्सबर्ग स्टार अखबार के फोटोग्राफर बन गए। अगले 10 वर्षों में केविन को विरोध प्रदर्शनों, अंतिम संस्कारों और पुलिस व रंगभेद विरोधी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की तस्वीरें लेने के लिए कई बार गिरफ्तार किया गया। 1993 में कार्टर को सूडान में एक असाइनमेंट मिला। सूखे और गृहयुद्ध से बर्बाद इस देश पर दुनिया के मीडिया ने तब तक बहुत कम ध्यान दिया था। केविन संयुक्त राष्ट्र के एक फूड-कैम्प में पहुंचे। वहां उन्होंने एक बच्ची को देखा, जो अकाल से ग्रस्त होकर मिट्टी में पड़ी थी। उसके बगल में एक गिद्ध लालचपूर्ण-धैर्य के साथ

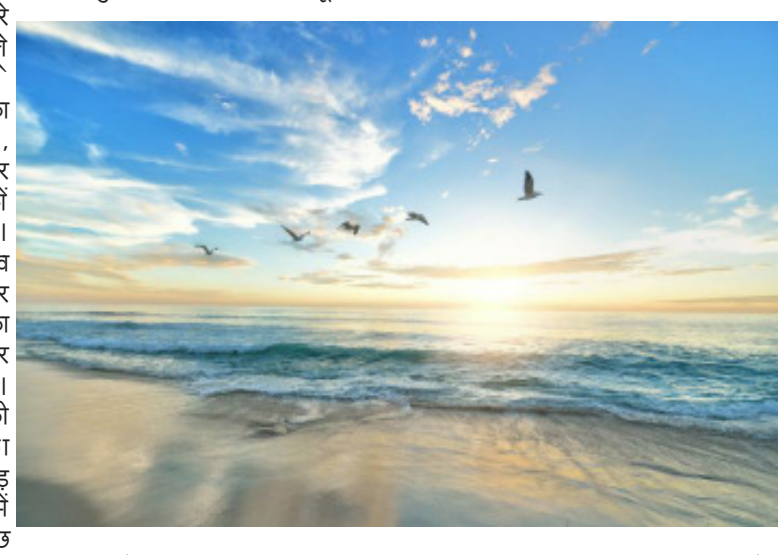

उसके मरने का इंतजार कर रहा था। केविन के शरीर की हर रग उस भयावह दृश्य को देखकर चीख उठी। उन्होंने यंत्रवत ही कैमरा उठाया और अनेक छायाचित्रों में हर कोण से उस बच्ची की पीड़ा को कैमरे में कैद कर लिया। उन्हें इस त्रासदी को दुनिया के सामने लाने वाला भयावह दृश्य मिल गया था। कुछ खबरों के मुताबिक केविन ने गिद्ध को भगा दिया था और उस कृशकाय बच्ची को उठाकर उसके कानों में फुसफुसाते हुए उसे सांत्वना दी थी कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। फिर उन्होंने बच्ची को बचाव दल को सौंप दिया था। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह तस्वीर उन्हें आजीवन परेशान करेगी। वापस लौटने पर उन्हें इस तस्वीर के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। लेकिन प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना और पड़ताल भी हुई। कई लोगों ने उनके इरादों पर सवाल उठाए और उन पर अपने निजी मकसद के लिए एक बच्ची की पीड़ा का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अप्रैल 1994 में जब केविन को पुलित्जर पुरस्कार मिला तो यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होनी चाहिए थी। लेकिन वह पुरस्कार उन्हें अपने उस असहनीय अपराध-बोध की याद दिलाने लगा। मुझे 1994 में जोहान्सबर्ग में केविन से मिलने का मौका मिला था, जब मैं नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने की घटना को कवर कर रहा था। इसके चार महीने बाद ही केविन ने 33 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। उसी साल (1994) और उसी देश (सूडान) से आठ साल के गुओर मारिअल गृह युद्ध के दौरान दक्षिण सूडान के एक शरणार्थी शिविर से भाग निकले थे। एक रात सैनिकों ने उनके घर पर छापा मारा था और एक राइफल के प्रहार से उनका जबड़ा तोड़ दिया था। वे बेहोश हो गए। बाद में उन्होंने खुद को एक शरणार्थी शिविर में पाया। उनके परिवार के 28 सदस्य मारे गए, लेकिन वे मिस्र भागने में सफल रहे, और फिर 16 साल की उम्र में स्थायी रूप से अमेरिका चले गए। चूंकि वे बचपन से ही सशस्त्र विद्रोहियों से भागते आ रहे थे, इसलिए 28 की उम्र में उन्हें 2012 के लंदन ओलिम्पिक में मैराथन के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला। तब सवाल उठा कि वे किस देश का झंडा लेकर चलेंगे? वे अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उनकी मातृभूमि दक्षिण सूडान को 2011 में ही एक स्वतंत्र देश का दर्जा मिला था। वह देश ओलिम्पिक में सम्मिलित होने की पात्रता को पूरा नहीं कर पाया था। यही कारण था कि जब गुओर के समक्ष सूडान का झंडा लेकर चलने की पेशकश की गई, तो उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया। क्योंकि सूडान से हुआ गृहयुद्ध ही उनके परिवार की हत्या के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने ओलिम्पिक ध्वज उठाया और वे पहले या तीसरे नहीं, बल्कि 47वें स्थान पर रहे। लेकिन पूरी दुनिया और मीडिया ने उनकी 'विजयी' हार का जश्न मनाया, क्योंकि उन्होंने मात्र एक साल पुराने एक देश को पहचान दी थी। फंडा यह है कि तय करें हमारे बच्चों को क्या चुनना चाहिए- एक विजयी हार को अपनाना या एक बुरी जीत का आनंद लेना।

# अच्छी सड़कें सिर्फ जोड़ती नहीं हैं, जीवन को भी समृद्ध बनाती हैं

चेन्नई से 300 किलोमीटर दूर-दराज के एक गांव में एक महिला प्रसव पीड़ा में थीं। उन्हें मदद की जरूरत थी। बच्चा जन्म लेने वाला था। लेकिन उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सिर्फ सात किमी की दूरी तय करने में कई घंटे लग जाते। लेकिन यह जोखिम भरा था क्योंकि रास्ते उबड़-खाबड़ थे, कावेरी नदी उफान पर थी और गर्भवती महिला के साथ तैरकर पार करना संभव नहीं था। ऐसे में सबसे आसान और तेज विकल्प था कि दाई को बुलाया जाए। वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, 'धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो।' इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है। यह खुशी नवजात के रोने की आवाज सुनकर थी। गली के कोने पर खड़े पुरुषों ने भी राहत की सांस ली। कुछ ने आसमान की ओर देखकर भगवान का धन्यवाद किया, तो कुछ ने अपनी गर्दन में लटके लॉकेट को उतारकर सम्मानपूर्वक अपनी आंखों पर लगाया। यह घटना 1940 की है और इसी तरह

मेरी मां का जन्म हुआ था। एक दशक बाद जब उनके सबसे छोटे भाई का जन्म हुआ, तो यह दृश्य दोबारा नहीं देखा गया, क्योंकि तब तक वहां पक्की सड़क बन चुकी थी और लोग बैलगाड़ी में एक घंटे से भी कम समय में गर्भवती महिलाओं को पास के अस्पताल ले जाने लगे थे। हाल ही में जब मैं उस गांव में गया, तो देखा कि अब वही दूरी, आपस में जोड़ती दो लेन की सड़कों के कारण मात्र 15 मिनट में तय हो जाती है। यह पुरानी यादें इस गुरुवार को तब ताजा हो गईं, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ नाशिक के इगतपुरी में हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन किया। 701 किमी लंबे नागपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किमी खंड के उद्घाटन के साथ ही महायुति द्वारा राज्य के विकास के लिए किया गया वादा पूरा हुआ। यह एक्सप्रेसवे अब राज्य के बंदरगाह आधारित विकास योजना के तहत 24 जिलों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से बंदरगाहों से जोड़ता है। अपने भाषण में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार एक और वादा पूरा करेगी, जो है एक्सेस-कंट्रोल्ड शक्तिपीठ हाईवे का निर्माण। महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों में चार शक्तिपीठ हैं। इनके जुड़ने से न केवल तीर्थयात्रियों को लाभ होगा, बल्कि इससे मराठवाड़ा के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, जिसकी अमेरिका जैसे विकसित देशों के अंतरराज्यीय हाईवे सिस्टम से तुलना की जा सकती है। इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका की सड़कें दुनिया की सबसे बेहतरीन सड़कों में गिनी जाती हैं। खासकर इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ये सड़कें न केवल परिवहन को सुगम बनाती हैं, बल्कि लॉजिस्टिक लागत को भी कम करती हैं। इससे व्यापारियों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलती है। यह नेटवर्क, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है, सुरक्षा में सुधार करता है और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है। इससे जीवन स्तर में भी सुधार होता है। सड़कों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा लाभ है। इसके अलावा, सड़क नेटवर्क पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और मनोरंजन जैसे संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। फंडा यह है कि अच्छी सड़कों का निर्माण केवल कनेक्टिविटी नहीं बढ़ाता, बल्कि जीवन को भी समृद्ध बनाता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा देश भी समृद्ध होता है, क्योंकि इनसे व्यापार और वाणिज्य में उछाल आता है।

# भारत अब केवल कूटनीति पर ही निर्भर नहीं रहने वाला है

अब जब ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा होने आया है, उससे जुड़े कुछ निष्कर्षों को ठीक से समझ लेना जरूरी है।

भारत की सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों और अन्य फेसिलिटीज पर जोरदार लेकिन ऐहतियाती और टारगेटेड हमला किया था।यहां तक ??कि आक्रमण का समय भी रात को इसलिए चुना गया ताकि नागरिकों को होने वाली क्षति से बचा जा सके। पाकिस्तान हाई-अलर्ट पर था, इसके बावजूद भारत ने सफलतापूर्वक उसकी डिफेंसिव-लाइंस को भेद दिया और अपने लक्ष्यों पर प्रहार करके कुछ आतंकवादियों का खात्मा करने में सफलता पाई। याद रहे कि इन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी शामिल हुए थे।इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से भारत के इंगेजमेंट्स की शर्तें हमेशा के लिए बदल गई हैं, क्योंकि अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें बहुत कम हासिल हो सका। यहां तक ??कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद प्रतिबंध समिति ने भी लंबे समय तक पाकिस्तान को अपने एक स्थायी सदस्य की छत्रछाया में रहने की अनुमति दी है।भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अब वह केवल उसी पर निर्भर भी नहीं रहेगा। इसके बजाय, भारत अब आतंकवाद का सैन्य-बल से जवाब देगा और किसी भी जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट और दृढ़ संकल्प के साथ सामना भी करेगा। लेकिन भारत पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों की धौंस दिखाने की अनुमति नहीं देने वाला।2016 में सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर 2019 में खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमले तक, भारत ने अपने अभियानों के दायरे का उत्तरोत्तर विस्तार किया है और ऐसा करते हुए नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों को लांघा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के गढ़ में प्रहार किए गए। भारत ने दिखाया है कि आतंकवाद का मुकाबला परमाणु-युद्ध को आमंत्रित किए बिना भी एक संतुलित सैन्य-प्रतिक्रिया से किया जा सकता है।पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अब जब भविष्य में कश्मीर या अन्य जगहों पर तबाही मचाने के लिए आतंकवादियों को भेजने पर विचार करेगा, तो पहले उसे खुद से पूछना होगा कि क्या वह भारत के जवाबी हमले के लिए भी तैयार है? उलटे इससे पाकिस्तान के लोगों को पानी की किल्लत हो सकती है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यही संदेश दिया था।जहां उसके बाद से भारत ने जलप्रवाह को मोड़ने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई है, लेकिन इस संदेश ने उपमहाद्वीप की भू-राजनीति को मौलिक रूप से बदल दिया है। भारत अब शांति के लिए बातचीत भर नहीं कर रहा है; वह पानी की निरंतर आपूर्ति के बदले में आतंकवाद की समाप्ति की मांग भी कर रहा है।ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को यह भी याद दिलाया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद से कितने गहरे ताल्लुक हैं। युद्ध विराम को अंजाम देने वाली परदे के पीछे की बातचीतों के बारे में नए विवरण निस्संदेह सामने आएंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि यह भारतीय सैन्य दबाव के बिना संभव नहीं था।इसके बाद अब निकट-भविष्य में भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसी कोई भी बातचीत- खासकर कश्मीर मुद्दे पर- फिलहाल दूर की संभावना है।वैसे भी कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मूल कारण नहीं है, यह तो पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अपने दावों को सही ठहराने के लिए फैलाया गया एक मिथक है। यह नैरेटिव एक ऐसे कट्टरपंथी तर्क पर आधारित है- जिसे हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दोहराया था- कि मुसलमान गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश में नहीं रह सकते।भारत व पाकिस्तान में कोई तुलना नहीं है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 11 गुना अधिक है और उसकी सैन्य-श्रेष्ठता के आगे भी पाकिस्तान नहीं टिकता। पाकिस्तान में उसकी फौज को हासिल अत्यधिक अधिकार, राष्ट्रीय बजट पर नियंत्रण, चीन और तुर्किए के साथ रणनीतिक गठबंधन उसे सशस्त्र संघर्ष को बनाए रखने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं, जबकि किसी भी पारंपरिक युद्ध में भारत हमेशा पाकिस्तान पर न केवल जीत हासिल करेगा, बल्कि उसे काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। भारत ने सीमापार आतंकवाद का सामना करने में जैसी दृढ़ता दिखाई, उस पर वह गर्व कर सकता है।अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें क्या हासिल हुआ? (शशि थरूर)

# आपका टैरेस भविष्य में आपको 'पॉवर-फुल' बना सकता है!

हमने परिवहन में इलेक्ट्रिक कारों के विचार को स्वीकार कर लिया है। हमने पेसमेकर के विचार को भी अपना लिया है, जिसे दिल की धड़कनों को स्थिर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन अब अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार हो जाइए।आने वाले समय में इलेक्ट्रिक विमान भी होंगे और वही बिजली रुमाटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से लेकर ग्लियोब्लास्टोमा जैसे मुश्किल से इलाज होने वाले मस्तिष्क कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर को ठीक करने के लिए भी तैयार हो रही है!जी हां, न केवल बीमारियों के संभावित उपचार के रूप में, बल्कि नई ग्रीन-टेक्नोलॉजी को अपनाकर 2050 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के अपने जलवायु-लक्ष्य तक पहुंचने में एविएशन क्षेत्र की मदद करने के लिए भी बिजली तैयार हो रही है।टोरंटो से 135 किमी दूर ओंटारियो के लिंडसे में एक छोटे-से हवाई अड्डे पर आपका स्वागत है। यहां होराइजन एयरक्राफ्ट लिमिटेड नामक कंपनी चुपचाप

दुनिया का पहला हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग विमान बना रही है।इसे 'ईवीटीओएल विमान' के नाम से जाना जाता है! खोज और बचाव कार्यों, टाइट लैंडिंग्स, छोटे समूहों और क्षेत्रीय उड़ानों के लिए डिजाइन किए गए होराइजन का सात सीटर विमान पायलट सहित किसी हेलीकॉप्टर की तरह टेकऑफ और लैंड करता है, लेकिन वह 450 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करने में सक्षम है। कंपनी के सीईओ ब्रैंडन रॉबिन्सन को भरोसा है कि अगले 24 महीनों में उड़ान परीक्षण शुरू करने के लिए एक फुल-स्केल प्रोटोटाइप तैयार हो जाएगा।यदि आप 'ईवीटीओएल विमान' की मदद से दो घंटे की यात्रा करके अमेरिका के सिनसिनाटी विश्वविद्यालय जाते हैं, जो कि वहां से 800 किमी दूर है और पोर्ट्समाउथ, जो कि 900 किमी दूर है, तो आप नोवोक्योर नामक ऑन्कोलॉजी कंपनी के मुख्यालय में पहुंच जाएंगे।वे संयुक्त रूप से पता लगा रहे हैं कि डिवाइस के आकार को कैसे छोटा किया जाए और इलेक्ट्रिक फील्ड्स और पल्सेस को ऐसे कैसे ?उपयोग किया जाए कि इससे कैंसर के इलाज में मदद ली जा सके। उन्होंने पहले से ही ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जो ट्यूमर के विकास को धीमा करने के लिए शरीर के सेल-डि?वीजन में इलेक्ट्र?किल फोर्सेस को बाधित करती है।शरीर में विद्युत-घटकों के होने का यह नया विचार हमारे भविष्य के इलाज के तरीकों के बारे में हमारी सोच को बदल रहा है। नोवोक्योर के सीईओ एशले कॉर्डोवा का तो यही मानना ??है। 62 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर टिम नुगेंट जैसे ग्लियोब्लास्टोमा के रोगी पहले ही अपने सिर पर इलेक्ट्रोड्स युक्त पैचेस पहन रहे हैं, जो एक बैटरी पैक से इलेक्ट्रोड्स डिलीवर करते हैं।इसके पीछे यह सोच है कि सेल-डिवीजन को बाधित करने के लिए कम तीव्रता वाले इलेक्ट्रिकल फील्ड्स का उपयोग किया जाए। इनमें से कुछ निष्कर्ष अभी मानव परीक्षण के चरण में हैं। यह बताता है कि भविष्य में नई तकनीकें इस बात का दायरा बढ़ाने जा रहे हैं कि कैसे बिजली हमारे दैनिक जीवन में और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हो सकता है बिजली कैंसर का इलाज करने में कामयाब हो जाए।आने वाले वर्षों में हमारे जीवन का हिस्सा बन सकने वाली ये वैश्विक गतिविधियां एक प्रमुख बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

# एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

## अफगानिस्तान भूकंप में मरने वालों की संख्या 1400 पार,तालिबान ने दुनियाभर से मदद मांगी, भारत ने 15 टन खाने का सामान और 1000 टेंट भेजे

काबुल। अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या सरकार बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अफगानिस्तान की जोन माना जाता है। जहां सहायता पहुंचाना भी मुश्किल है।

1411 हो गई है, जबकि घायलों का आंकड़ा 3250 से ज्यादा हो गया है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक तालिबान ने इसकी जानकारी दी है। अफगानिस्तान में जलालाबाद के पास रविवार रात 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इस वक्त ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दुनियाभर से मदद मांगी है। इसके बाद भारत ने मदद के लिए 1000 टेंट काबुल भेजे हैं। साथ ही, 15 टन खाने का सामान काबुल से कुनार भेजा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि भारत आगे भी राहत सामग्री भेजेगा। 2021 में तालिबान मानवीय सहायता रोक दी थी। अफगानिस्तान की अपील के बाद भारत के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे देशों ने भी मदद भेजी है। ब्रिटेन ने भूकंप से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए 1 मिलियन पाउंड (10 करोड़) की इमरजेंसी फंड का ऐलान किया है। वहीं, चीन ने कहा कि वह अफगानिस्तान की जरूरतों और अपनी क्षमता के मुताबिक उसकी मदद करेंगे।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर नांगरहार प्रांत में आया। जहां कई गांव मलबे में बदल गए। यह इलाका राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। यह एक पहाड़ी इलाका है। जो भूकंप के लिए रेड NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। यहां सोमवार को 4.6 तीव्रता का एक और भूकंप आया। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए। वहीं, भारत के गुरुग्राम में भी हल्के झटके महसूस किए गए।अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

## ट्रम्प का दावा- भारत अमेरिका पर टैरिफ घटाने को तैयार,कहा- अब देर हो चुकी, भारत को पहले ही कम कर देना चाहिए था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अब अमेरिका पर टैरिफ कम करने की पेशकश

की है, लेकिन काफी देर हो चुकी है। उन्होंने भारत के साथ व्यापार संबंधों को 'एकतरफा' बताते हुए कहा कि भारत अमेरिका को बहुत सारा सामान बेचता है, लेकिन अमेरिका भारत को बहुत कम सामान बेच पाता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाए, जिससे अमेरिकी कंपनियों को भारत में सामान बेचना मुश्किल हो गया। यह पूरी तरह से एकतरफा आपदा रही है! उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल और मिलिट्री उपकरण रूस से खरीदता है, न कि अमेरिका से। ट्रम्प ने इसे सालों पुरानी दिक्कत बताया और कहा कि भारत को पहले ही टैरिफ कम कर देना चाहिए था। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ समिट के दौरान चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की है। दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री माकी रुबियो ने कहा कि भारत-अमेरिका की साझेदारी 21वीं सदी की सबसे खास साझेदारी है। उन्होंने कहा कि इस महीने दोनों देश अपने लोगों, तरक्की और नई संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। नई तकनीक, कारोबार, रक्षा और आपसी रिश्तों से यह दोस्ती और गहरी हो रही है। माकी रुबियो ने कहा- यह दोस्ती दोनों देशों के लोगों के प्यार और विश्वास से चलती है। दोनों देश मिलकर नए मौके तलाश रहे हैं, जैसे तकनीक, रक्षा और संस्कृति में एक-दूसरे का साथ देना।ट्रम्प के बयान से कुछ देर पहले ही उनके ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ है।ट्रम्प ने भारतीय प्रोडक्ट्स पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगाया है। यह टैरिफ 25फीसदी बेस टैरिफ और 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ को मिलाकर बना है।

## उपराष्ट्रपति चुनाव- 100फीसदी वोटिंग के लिए एनडीए सांसदों की ट्रेनिंगःबैलट पर निशान लगाना, मोड़कर बॉक्स में डालना सिखाएंगे; मतदान से पहले मोदी डिनर देंगे

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले 100फीसदी वोटिंग के लिए एनडीए गठबंधन के सांसदों की ट्रेनिंग होगी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले एनडीए दूसरी पार्टियों के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में

अनुसार तीन दिन की वर्कशॉप में सांसदों को वोटिंग प्रोसेस के बारे में बताया जाएगा। ट्रेनिंग सेशन में सांसदों को बैलट पेपर पर सही निशान लगाने, चुनाव अधिकारी की ओर से दिया गया पेन का इस्तेमाल लगी है। गठबंधन को आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। अब एनडीए ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस को भी साथ लाने की कोशिश में जुटी है। बीजेडी

करने और बैलट पेपर को सही तरीके से मोड़कर बॉक्स के अंदर डालने की जानकारी दी जाएगी, ताकि वोट अमान्य न हों।दरअसल, गुप्त मतदान में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता है। ऐसे में एनडीए का फोकस क्रॉस वोटिंग रोकने और अवैध वोटों को कम करने पर है। वहीं, वोटिंग से एक दिन पहले 8 सितंबर की रात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए सांसदों के लिए डिनर भी करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला इंडिया कैंडिडेट और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ ने अभी तक उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना रुख साफ नहीं किया है, जबकि बीआरएस को एनडीए और इंडिया दोनों ही अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। इंडिया इसे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर समर्थन देने की अपील कर रहा है।लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

## अजरबैजान के राष्ट्रपति का भारत पर आरोप,पाकिस्तान से संबंधों का बदला ले रहा,रिपोर्ट- भारत ने अजरबैजान की एससीओ में एंट्री रोकी

तियानजिन। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह, अजरबैजान की पाकिस्तान से नजदीकी का बदला वैश्विक मंचों के साथ सेना प्रमुख आसिम मुनीर, उप-प्रधानमंत्री इशाक डार और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार भी अजरबैजान गए थे।अजरबैजान का उसके पड़ोसी देश आर्मेनिया के साथ किया। अजरबैजान फिलहाल एससीओ का डायलॉग पार्टनर कंट्री हैं। एससीओ क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और राजनीतिक समन्वय को बढ़ावा देने वाला एक

पर ले रहा है। यह बयान उन्होंने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात में दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत नागोनी-कराबाख इलाके को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। पाकिस्तान और तुर्किये अजरबैजान को खुला समर्थन और सैन्य सहयोग देते हैं। बदले में अजरबैजान कश्मीर के मुद्दे पर प्रमुख यूरेशियाई संगठन है। इसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान जैसे पूर्ण सदस्य देश शामिल हैं। भारत ने 2005 में पर्यवेक्षक के

ने एससीओ की सदस्यता के लिए अजरबैजान की दावेदारी को खारिज कर दिया था। इसके पीछे उसकी पाकिस्तान से नजदीकी को वजह बताया जा रहा है। दरअसल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। अलीयेव ने कहा कि भारत के रुख के बावजूद उनका देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को प्राथमिकता देता है।22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। ऑपरेशन के बाद अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया और भारत के एक्शन की निंदा की। भारत से संघर्ष थमने के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अजरबैजान का दौरा भी किया था। उन्होंने भारत के साथ सैन्य संघर्ष में समर्थन के लिए राष्ट्रपति अलीयेव को धन्यवाद भी दिया था। शहबाज पाकिस्तान का समर्थन करता है। जुलाई 2024 में पाकिस्तान दौरे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कश्मीर में मानवाधिकार हनन का मुद्दा उठाया, जिसे भारत ने अपने आंतरिक मामलों में दखल माना। ऐसे में भारत ने पिछले कुछ समय में आर्मेनिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाया है। भारत ने जुलाई 2023 में आर्मेनिया को पिनाक रॉकेट लॉन्चर का पहला शिपमेंट डिलिवर किया था।पिनाक सिस्टम की डिलीवरी होने कीखबर सामने आते ही अजरबैजान में राष्ट्रपति के सलाहकार हिकामत हाजियेव ने भारतीय राजूदत से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने भारत-आर्मेनिया में बढ़ते रक्षा सहयोग पर चिंता जताई थी।चीन ने एससीओ की सदस्यता के लिए अजरबैजान का समर्थन किया है। सोमवार को में एससीओ समिट की साइडलाइन में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने अलीयेव के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान जिनपिंग ने अजरबैजान की सदस्यता के समर्थन का ऐलान रूप में एससीओ में हिस्सा लेना शुरू किया और 12 जून 2017 को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में इसे पूर्ण सदस्यता मिली।शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में शामिल होने के लिए किसी देश को पहले एससीओ में ऑब्जर्वर या डायलॉग पार्टनर कंट्री के तौर पर शामिल होना होता है। इसके बाद, देश को औपचारिक रूप से पूर्ण सदस्यता के लिए आवेदन करना होता है। इसमें एससीओ के नियमों और लक्ष्यों को मानने की प्रतिबद्धता दिखानी पड़ती है। एससीओ के मौजूदा सदस्य देश (जैसे भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान आदि) आवेदन की जांच करते हैं। वे देश की क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक सहयोग, सुरक्षा नीतियों और एससीओ के चार्टर के प्रति उसकी निष्ठा को परखते हैं। आवेदन पर अंतिम निणय एससीओ के शिखर सम्मेलन में लिया जाता है। इसके लिए सभी सदस्य देशों की सहमति जरूरी है। अगर एक भी देश विरोध करता है, तो सदस्यता रुक सकती है।

## भारत में वेश्यावृत्ति लीगल, अमेरिका में अपराध, सेक्स वर्कर्स डे पर जानिए, क्यों कहते हैं प्रॉस्टिट्यूशन को दुनिया का सबसे पुराना पेशा

नयी दिल्ली। आज इंटरनेशनल डे फॉर सेक्स वर्कर्स है। आपको लग सकता है कि जो पेशा कानून और समाज की नजर में अपराध है, उसके लिए इंटरनेशनल लेवल पर कोई खास दिन कौन मनाएगा? अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आपकी सोच के तीनों हिस्से गलत हैं एक तो कानूनन भारत में वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है।सामाजिक तौर पर वेश्यावृत्ति दुनिया के सबसे पुराने पेशों में से एक है।दुनिया में 300 से ज्यादा संगठन ऐसे हैं जो सेक्स वर्कर्स के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं।सेक्स वर्कर्स की ये दुनिया सीधे-सीधे ब्लैक/व्हाइट में नहीं बंटी है। समय और देश की सीमाओं के साथ-साथ ये दुनिया बहुत जटिल होती जाती है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में वेश्यावृत्ति पूरी तरह गैर-कानूनी है, लेकिन पोर्नोग्राफी लीगल है। भारत में वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है, लेकिन इसका प्रचार अपराध है।सेक्स वर्क और सेक्स वर्कर्स के कानूनी स्टेटस पर पूरी दुनिया में अलग-अलग स्थिति है। कहीं-कहीं तो एक ही देश के राज्यों में अलग-अलग कानून है। सेक्स वर्कर्स की परिभाषा भी हर जगह एक नहीं है। कुछ जगहों पर सेक्स वर्कर का मतलब सिर्फ प्रॉस्टिट्यूट्स यानी वेश्या होता है। जबकि कई देशों में पोर्न इंडस्ट्री, स्ट्रिपर क्लब, वेश्यालय चलाने वाले सभी सेक्स वर्कर्स की कैटेगरी में आते हैं। 2022 के अपने एक जजमेंट में सुप्रीम कोर्ट ने वेश्यावृत्ति को 'पेशा' माना है। दरअसल, भारतीय कानून के तहत वेश्यावृत्ति हमेशा ही लीगल रहा है। यानी पैसे के बदले सेक्स कानूनन अपराध नहीं है। लेकिन इससे जुड़ी कुछ चीजों को अपराध माना गया है- अगर वेश्यावृत्ति से पहले पैसों के लेन-देन पर बात यानी 'सॉलिसिटेशन' हो। अगर वेश्यावृत्ति संगठित तौर पर हो रही हो, यानी वेश्यालय चल रहा हो। अगर वेश्यावृत्ति का किसी भी तरह से प्रचार किया जा रहा हो। अगर किसी से जबरदस्ती वेश्यावृत्ति करवाई जा रही हो। 2022 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले

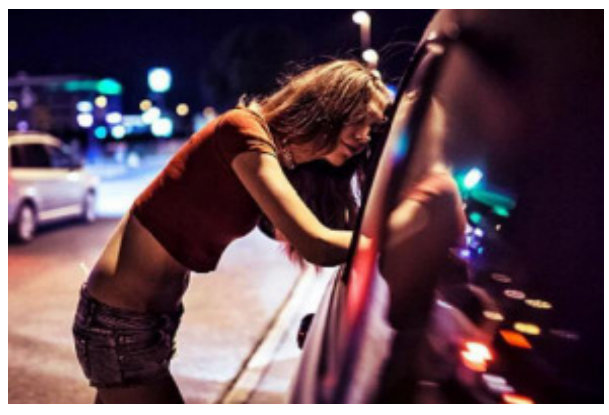

से पहले तक पुलिस जब भी किसी वेश्यालय या सेक्स रैकेट को पकड़ती तो वहां काम करने वाली प्रॉस्टिट्यूट्स को भी गिरफ्तार किया जाता था। पुलिस का तर्क ये था कि वेश्यावृत्ति से पहले 'सॉलिसिटेशन' हुआ ही होगा और इसी आधार पर प्रॉस्टिट्यूट्स को गिरफ्तार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक 'सॉलिसिटेशन' हुआ ही होगा ये बिना प्रमाण के नहीं माना जा सकता है। इसीलिए प्रॉस्टिट्यूट्स को गिरफ्तार करना गलत है। उन्होंने कुछ गैर-कानूनी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले में कहा था कि वेश्यावृत्ति एक 'पेशा' है और इस पेशे से जुड़े लोगों को भी कानून के तहत समान अधिकार प्राप्त हैं।वेश्यावृत्ति को आज भले ही सामाजिक बुराई माना जाता है, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। सबसे पुरानी सभ्यताओं के अवशेषों में भी इस बात के सबूत मिले हैं कि उनके समाज में वेश्यावृत्ति आम बात थी।प्राचीन सभ्यताओं में वेश्याएं ज्यादातर किसी धार्मिक अनुष्ठान से जुड़ी होती थीं। लेकिन समय के साथ ये तस्वीर बदलती चली गई। आज सेक्स वर्कर की परिभाषा तय करना लगातार जटिल होता जा रहा है। नई टेक्नोलॉजी के साथ इसमें नए-नए पहलू जुड़ते जा रहे हैं। पहले सेक्स वर्कर्स के तौर पर सिर्फ प्रॉस्टिट्यूट्स को ही जाना जाता था। अब कई जगहों पर पोर्नोग्राफी से जुड़े लोगों को भी सेक्स वर्कर की कैटेगरी में रखा जाता है। इसके साथ ही स्ट्रिप क्लब्स में काम करने वालों को भी सेक्स वर्कर माना जाता है। इंटरनेट के दौर में पोर्न का नया रूप वेब कैम रूम्स बन गए हैं। जहां लड़कियां वेब कैम के जरिये सेक्शुअल एक्ट्स को लाइव स्ट्रीम करती हैं। 'ओनली फैन्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिये ये इंडस्ट्री लगातार बढ़ रही है। जिन देशों में सेक्स वर्कर्स को कानून के जरिये रेगुलेट किया जाता है, वहां ये परिभाषा तय करना जरूरी हो गया है।पहले तो ये जानिए कि आखिर ये दिन मनाया क्यों जाता है। बात 1970 के दशक की है। पूरे यूरोप में वेश्यावृत्ति तो आम बात थी, लेकिन कहीं भी इसके नियमों पर तस्वीर साफ नहीं थी। इस वजह से सेक्स वर्कर्स पर दोहरा खतरा था। वे ग्राहकों और सेक्स रैकेट चलाने वाले दलालों की हिंसा का शिकार होती थीं। दूसरी तरफ पुलिस भी उनकी मदद करने के बजाय प्रताड़ित ही करती थी। 1975 में फ्रांस के लियोन शहर में एक के बाद एक तीन वेश्याओं की हत्या हो गई। इससे परेशान और डरी हुई सेक्स वर्कर्स ने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। अंततः 2 जून, 1975 को करीब 100 सेक्स वर्कर्स ने लियोन के शहर के सेन निजीर चर्च पर कब्जा कर लिया और चर्च परिसर में धरने पर बैठ गईं। उनकी मांग थी कि पुलिस की सख्ती बंद हो, जेल में बंद वेश्याओं को छोड़ा जाए। उनकी बुरी वर्किंग कंडीशन्स को सुधारा जाए और समाज में पहचान भी मिले।चर्च के प्रमुख रेवरेंड एंटॉनिन बिएल भी वेश्याओं के साथ थे। उन्होंने धरना देने वाली वेश्याओं को न तो खुद रोका और ना ही उन्हें हटाने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। चर्च परिसर में ये धरना 8 दिन तक चलता रहा। वेश्याएं अपना बैनर लगाए चर्च परिसर में ही रहती थीं। इस धरने को उस समय फ्रांस ही नहीं, दूसरे देशों की मीडिया ने भी खूब प्रचारित किया। इन वेश्याओं के समर्थन में फ्रांस के दूसरे शहरों फ्रांस, मार्से, ग्रेनोबल और मॉन्टपेलियर में भी सेक्स वर्कर्स ने धरने-प्रदर्शन शुरू कर दिए। अंततः 10 जून को सरकार के आदेश पर पुलिस ने धरना दे रहीं सेक्स वर्कर्स को लियॉन के चर्च से हटा दिया। इस प्रदर्शन से न तो कोई कानून बदला और ना ही सरकार ने कोई कदम उठाया। लेकिन इसने पूरे यूरोप की सेक्स वर्कर्स को संगठित कर दिया। 1976 से पूरे यूरोप में 2 जून को इंटरनेशनल सेक्स वर्कर्स डे के तौर पर मनाया जाने लगा। आज पूरी दुनिया में 300 से ज्यादा संगठन इस दिन अलग-अलग कार्यक्रम करते हैं। आज भी उनकी मांग सामाजिक पहचान और सेक्स वर्क को डिक्रिमिनलाइज करने की है।

## इंपैथीः जब दूसरे का दुख-दर्द अपना हो जाए,इंपैथी ही है माइक्रोसॉफ्ट की सफलता का राज, बॉस बनना है तो सीखें इंपैथी

नयी दिल्ली। साल 2014 में सत्य नडेला जब माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने, तब कंपनी दुनिया की सबसे ताकतवर टेक कंपनियों में से एक थी। तकनीकी रूप से बेहतरीन, रेवेन्यू भी बढ़ रहा था, लेकिन नडेला को कुछ खटक रहा था। उन्होंने ध्यान से देखा तो पाया कि कंपनी में लोग बस प्रतिस्पर्धा में जुटे हुए थे। वे एक-दूसरे की भावनाओं और परिस्थियों को अनदेखा कर रहे थे। नडेला ने इसे बदलने की ठानी। टीम लीडर्स से लेकर इंजीनियर्स तक सबको 'इंपैथी' के मूल्य अपनाने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट का कल्चर बदलने लगा। लोग एक-दूसरे की मदद करने लगे, गलतियों पर तानों की जगह सॉल्यूशन देने लगे। इससे कंपनी के प्रोडक्ट्स भी बदले। अब वे सिर्फ फंक्शनल नहीं, बल्कि इमोशनली कनेक्टेड बनने लगे। लोगों को अपनापन सा महसूस होने लगा। इस सोच ने माइक्रोसॉफ्ट को एक इनोवेटिव कंपनी के साथ इमोशनली इंटेलिजेंट कंपनी भी बना दिया। आज के सक्सेस मंत्रा कॉलम का टॉपिक है इंपैथी यानी समानुभूति। हम समझेंगे कि लीडरशिप और सक्सेस के लिए इंपैथी सबसे अंडररेटेड लेकिन जरूरी स्किल है। इंपैथी कैसे हमारी सफलता के सफर को आसान बनाती है और इसे अपनी जिंदगी में कैसे उतार सकते हैं।जब कोई दुखी होता है तो हम अक्सर कहते हैं कि 'मुझे तुम्हारे लिए बुरा लग रहा है।' यह सिंपैथी है, जिसे हिंदी में सहानुभूति कहते हैं। वहीं इंपैथी इससे एक कदम आगे की बात है यानी समानुभूति। इसमें हम खुद से पूछते हैं कि 'अगर मैं इसकी जगह होता, तो क्या महसूस करता?' इंपैथी में सिर्फ देखना नहीं, बल्कि महसूस करना होता है। यह एहसास हमें दूसरे के दर्द से जोड़ता है, जैसे हम उसके साथ चल रहे हों। यही असली इंसानियत है।भारतीय मूल के सत्य नडेला ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके बेटे की गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी ने उन्हें इंपैथी का मतलब सिखाया था। उन्होंने एक पिता होने के नाते नर्स, डॉक्टर और केयरगिवर्स के नजरिए को समझने की कोशिश की। इससे उनके मन में लोगों के प्रति इंपैथी जागी। यहीं से उनके लीडरशिप स्टाइल में भी बदलाव आया।हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की एक रिसर्च के मुताबिक, इंपैथेटिक लीडर्स के साथ कोई टीम ज्यादा लॉयल, मेहनती और इनोवेटिव होती है। इसका मतलब है कि अगर लीडर टीम के प्रति इंपैथेटिक है तो टीम वर्कर्स को ज्यादा अपनापन महसूस होता है। उन्हें लगता है कि उनका टीम लीडर उनकी हर भावना को

समझता है और उनके साथ खड़ा हुआ है। इसलिए टीम के टारगेट और प्रोजेक्ट्स को सफल बनाना उनका काम है।किसी को सलाह देने से पहले, उसे समझने की कोशिश इंपैथी है। यह तब पैदा होती है, जब हम किसी की बात बिना समझे, टोके या जज किए पूरे ध्यान से सुनते हैं। इसके लिए सिंपल तरीका ये है कि खुद से सवाल करें कि अगर मैं इसकी जगह होता तो मुझे कैसा महसूस होता?इस तरह के सवाल से हम किसी की परिस्थिति को उसके नजरिए से देख पाते हैं। इंपैथी विकसित करने का पूरा तरीका,इंपैथी का मतलब सिर्फ दूसरों को अच्छा महसूस करवाना नहीं है, यह खुद को भी गहराई से समझने की शुरुआत है। जब हम किसी की भावनाओं को सच में महसूस करते हैं तो हमारी बातचीत में अपनापन आता है, रिश्ते मजबूत होते हैं और तनाव का सॉल्यूशन मिल जाता है। इंपैथी हमें सिर्फ अच्छा श्रोता नहीं बनाती, बल्कि एक बेहतर इंसान, बेहतर दोस्त और बेहतर लीडर भी बनाती है। जब हम दूसरों को समझते हैं तो धीरे-धीरे हम खुद को भी समझने लगते हैं। यही बदलाव हमारे अंदर इमोशनल इंटेलिजेंस, समझदारी और सेल्फ-अवेयरनेस लाता है और यही तो हर सफल और संतुलित जीवन की नींव है।इंपैथी का मतलब यह नहीं कि आप हर बात से सहमत हों या कमजोर बन जाएं। यह सिर्फ दिल की नहीं, दिमाग की भी समझदारी है। इंपैथी दूसरों के लिए नहीं, खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया है। जब हम किसी चीज को बेहतर ढंग से समझते हैं, तब ही सही फैसले ले पाते हैं और रिश्ते मजबूत बनते हैं। इंपैथी को लेकर लोगों में जो भ्रांतियां हैं, वे गलत हैं।अगर आप हर किसी का दुख तुरंत अपने ऊपर ले लेते हैं तो धीरे-धीरे आप मन से, शरीर से और सोच से थकने लगते हैं। ये वैसा ही है जैसे हर रोज किसी और का भारी बैग उठाना। यह थोड़ी देर तो ठीक है, लेकिन रोज-रोज उठाते रहेंगे तो आपकी कमर झुकने लगेगी। बहुत ज्यादा इंपैथी रखने से हम अपनी भावनाओं में उलझ जाते हैं। जब कोई रो रहा हो तो हम भी रोने लगते हैं। जब किसी को दुख हो तो हम खुद भी दुखी हो जाते हैं। इससे दो बड़ी दिक्कतें होती हैं।पहले तो हम सामने वाले की सच में मदद नहीं कर पाते हैं, क्योंकि हम खुद ही टूट जाते हैं। दूसरे, हम अपने फैसलों में कंफ्यूज हो जाते हैं, क्योंकि हम दिल की सुनते हैं, लेकिन दिमाग को चुप करा देते हैं।कई बार लोग ज्यादा इंपैथी में दूसरों की तकलीफ अपने दिल पर इतना अधिक ले लेते हैं कि खुद की मानसिक सेहत बिगड़ जाती है। उन्हें नींद नहीं आती, चिंता बनी रहती है और हर वक्त लगता है कि उन्हें ही सब कुछ ठीक करना है।

## कॉपीरेट वर्किंग वुमन के लुक में दिखाई दीं शिवानी तोमर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। टेलीविजन जगत की मशहूर अभिनेत्री शिवानी तोमर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह बना है उनका लेटेस्ट वीडियो, जिसमें वह ऑफिस जाने वाली लड़की के लुक में नजर आ रही हैं। उनका यह 'गर्ल स्टाइल' वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है और फैन्स को उनका यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है। वीडियो में शिवानी तोमर एक कॉपीरेट वर्किंग वुमन के लुक में दिखाई दे रही हैं, जिसमें वह फॉर्मल आउटफिट, सिंपल हेयरस्टाइल और कॉन्फिडेंट चाल के साथ नजर आती हैं। उनका यह प्रोफेशनल बू स्टाइलिश अवतार युवाओं, खासकर ऑफिस गोइंग गर्ल्स को खूब प्रेरित कर रहा है। शिवानी तोमर इससे पहले भी अपने अभिनय और फैशन सेंस के लिए जानी जाती रही हैं, लेकिन इस बार उनके सादगी भरे yet

impactful लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह वीडियो इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और लाखों व्यूज़ के साथ ट्रेंडिंग में बना हुआ है। फैन्स का कहना है कि शिवानी का यह नया अवतार न सिर्फ स्टाइलिश है, बल्कि असली जिंदगी से जुड़ा हुआ भी लगता है। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह हर रोल और लुक को बखूबी निभा सकती हैं।

## भतीजे पर एक्ट्रेसेस से गले लगने का दबाव डाला,जबरदस्ती करते दिखे पवन सिंह, असहज नजर आया बच्चा; अंजलि राघव भी पास खड़ी थिरकती दिखीं

बिहार। भोजपुरी एक्ट्रेस अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने पर पहले ही विवादों में घिरे हुए भोजपुरी स्टार पवन सिंह का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वो भतीजे पर एक्ट्रेसेस को गले लगाने का दबाव डालते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो उसी इवेंट का है, जिसमें पवन सिंह ने अंजलि को छुआ था। वीडियो में देखा जा सकता है कि मंज पर खड़े सभी कलाकार भोजपुरी गाने की धुन पर थिरक रहे हैं। इसी दौरान पवन सिंह अपने भतीजे के दोनों हाथ पकड़कर अंजलि राघव से गले मिलवाते हैं। बच्चा काफी झिझकता नजर आता है। अंजलि के बाद पवन सिंह भतीजे को दूसरी एक्ट्रेस से चिपकाने की कोशिश करते हैं, जिसके बाद बच्चा असहज होकर दूर हटता है और उन्हें देखने लगता है।पवन सिंह यहां भी नहीं रुकते और भतीजे को गले लगने की हिदायत देते हैं। जिसके बाद बच्चा पास खड़ी एक्ट्रेस से गले मिलता है। वीडियो में अंजलि राघव भी ये देखकर मुस्कुराती हुई नजर आई हैं। वीडियो सामने आने के बाद कई लोग पवन सिंह की जमकर आलोचना कर रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही पवन सिंह विवादों में घिर गए। अंजलि राघव ने भी एक वीडियो जारी कर फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान कर दिया। विवाद बढ़ने पर पवन सिंह ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। 31 अगस्त को पवन सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरा इरादा गलत नहीं था, अगर अंजलि जी को बुरा लगा तो मैं क्षमा मांगता हूं। हम कलाकार हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।'बताते चलें कि 29 अगस्त को पवन सिंह लखनऊ में हुए एक म्यूजिक इवेंट का हिस्सा बने थे। इस दौरान हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव ने उनके साथ मंच शेयर किया था। अंजलि माइक पर बयान दे रही थीं, जिस समय पवन सिंह उनकी कमर पर बार-बार हाथ फेरते नजर आए थे। विवाद के बीच ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने पवन सिंह की जमकर आलोचना की और उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिए जाने की मांग की। इसके अलावा एसोसिएशन ने महिला आयोग से मामले का संज्ञान लेने की भी मांग की थी। एक्ट्रेस अंजलि राघव ने कहा है जिस समय घटना हुई, उस समय वो डर गई थीं। उन्होंने कहा, मुझे उस वक्त लगा कि मेरी ब्लाउज का कोई टैग कमर पर लगा है। मैं समझ नहीं पाई कि उन्होंने जानबूझकर किया या नहीं। साथ ही वहां पूरा माहौल उनका था, मीडिया, पुलिस, स्टाफष्ठ सब। मुझे डर था कि कोई अनहोनी न हो जाए। लखनऊ और कानपुर ऐसी जगह है, जहां पर मिनट में गोलियां चल जाती है। मुझे डर था कि अगर उस वक्त मेरे साथ बेशक कुछ ना होता, लेकिन मेरे साथ जो लोग थे, उनको कहीं कुछ कर दिया जाता तो। उस वक्त मुझे यह सही नहीं लगा था कि ऐसे पंगे लिए जाएं।

## सलमान खान ने नंगे पांव किए बप्पा के दर्शन,टाइट सिक्योरिटी के साथ महाराष्ट्र के मिनिस्टर के घर पहुंचे, भीड़ के बीच भागते हुए कार तक पहुंचे

मुंबई। गणेशोत्सव के खास मौके पर सलमान खान नंगे पैर नजर आए और हाथ जोड़कर आशीर्वाद लेते और टीका लगवाते भी नजर आ रहे हैं।

सलमान खान बप्पा के दर्शन के लिए काफी सिक्योरिटी में पहुंचे थे, इस दौरान बॉडीगार्ड्स ने उन्हें कवर कर रखा था और सलमान खान बिना चप्पलों के भागते हुए नजर आए और कार तक पहुंचे।

महाराष्ट्र के मिनिस्टर आशीष शेलार ने भी सलमान खान के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं।

अपने ऑफिशियल एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट से आशीष शेलार ने एक्टर की तस्वीरों के साथ लिखा है, 'एक्टर सलमान खान हमारे बांद्रा वेस्ट पब्लिक गणेशोत्सव कमेटी के गणपति के दर्शन करने आए हैं।

' मुलाकात के दौरान मिनिस्टर ने सलमान खान को एक फोटो फ्रेम भी भेंट किया है। इस दौरान सलमान ने चेक शर्ट और डेनिम जींस पहन रखी थी। वो अपने उस लुक में पहुंचे थे, जो वो फिल्म बैटल ऑफ गलवान में रखने वाले हैं।

## 'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थी:पति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके

बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं।

वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी।

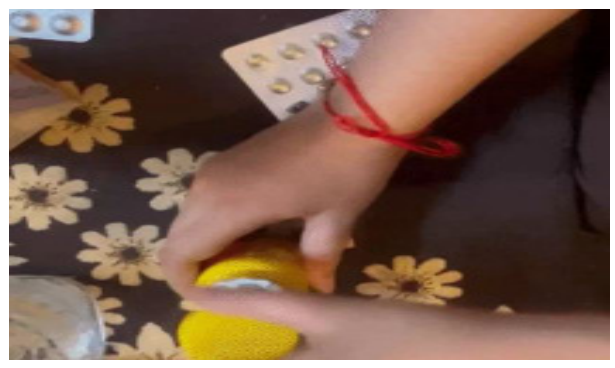

ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

## पंजाब बाढ़ः दिलजीत दोसांझ ने गोद लिए 10 गांव,एमी विर्क ने ली 200 पीड़ित परिवारों की जिम्मेदारी, गुरु रंधावा, संजय दत्त ने भी बढ़ाया मदद का हाथ

अमृतसर। पंजाब में बाढ़ से हुई तबाही के बीच कई पंजाबी और बॉलीवुड सेलेब्स पीडि़तों की मदद के लिए आगे आए हैं। दिलजीत दोसांझ ने बाढ़ से प्रभावित 20 गांव गोद लेने का ऐलान किया है। वहीं सिंगर एमी विर्क ने पीडि़तों की मदद करने के लिए 200 घर गोद लिए हैं। सिंगर गुरू रंधावा भी लगातार पीडि़तों तक जरूरत का सामान बांट रहे हैं। सिंगर एमी विर्क ने सोशल मीडिया पर 200 घर गोद लेने का ऐलान किया। उन्होंने लिखा है, 'एमी विर्क और टीम की ओर से- हमारा दिल पंजाब में आई बाढ़ से हुई तबाही देखकर दुखी है। अपने लोगों को बिना छत के देखना बेहद पीड़ादायक है। इसने मुझे अंदर तक तोड़ दिया है। एक छोटी की कोशिश में, हम 200 घरों को गोद ले रहे हैं ताकि उन लोगों की मदद कर सकें जिन्होंने सब कुछ खो दिया है। यह केवल आश्रय देने की बात नहीं है, बल्कि आशा, सम्मान और दोबारा शुरुआत करने की ताकत देने की बात है। आइए हम सब मिलकर, जिस भी तरह संभव हो सके, जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं।'पंजाबी सिंगर गुरू रंधावा ने भी जरूरतमंद लोगों तक राशन और पीने का पानी पहुंचाया है। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने पोस्ट में लिखा है, 'आज और टीमें राशन-पानी लेकर जाएंगी। आप भी जितनी हो सके उतनी मदद करें। आओ हम सब मिलकर पूरे पंजाब की मदद करें, अपने परिवारों के साथ खड़े हों। वाहेगुरु, यह समय भी बीत जाएगा।'संजय दत्त ने भी एक पोस्ट शेयर बाढ़ पीडि़तों को मदद भेजने की घोषणा की है। इनके अलावा सोनू सूद ने भी हर मुमकिन मदद पहुंचाने का ऐलान किया है। बीते दिन उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है,-'मैं पंजाब के साथ खड़ा हूं। इन भीषण बाढ़ों से प्रभावित कोई भी अकेला नहीं है। हम सब मिलकर हर एक व्यक्ति को दोबारा खड़ा होने में मदद करेंगे। अगर आपको किसी भी तरह की मदद चाहिए, तो बेहिचक संदेश भेजें। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि आप तक पहुंच सकें और हर संभव सहायता दें। पंजाब मेरी रूह है। चाहे सब कुछ दांव पर क्यों न लगाना पड़े, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम पंजाबी हैं और हम कभी हार नहीं मानते।' सोनू सूद खुद भी पंजाब के मोगा से हैं। सोनू सूद ने कहा है कि जिस भी किसी को जो भी जरूरत हो, वो बेझिझक उन तक पहुंचाएं। साथ ही उन्होंने जनता से भी मदद के लिए आगे आने और पंजाब को दोबारा खड़े करने में मदद करने की अपील की है।पंजाबी सिंगर रंजीत बावा ने भी घोषणा की है वो अपने शो से होने वाली सारी इनकम पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों को दान कर रहे हैं। उन्होंने अपने अल्बर्टा शो के दौरान पंजाब में आई बाढ़ का एक वीडियो भी चलाया। सिंगर करण औजला ने भी बाढ़ से हुई तबाही के बीच एक वीडियो जारी कर कहा कि वो मदद के लिए जो सके करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से जितनी मदद कर सकते हैं, उतनी मदद कर रहे हैं।

हमारे साथी और मेरी टीम पंजाब में है लोगों की मदद कर रही है। खाने, धारे, दवा सहित अन्य हर तरह की मदद कर रहे हैं। मुझे जो लोग चाहते हैं और जो नहीं भी चाहते हैं, वो भी हमारे पंजाब के लिए कुछ ना कुछ मदद जरूर करें। जिससे बाढ़ पीडि़तों को मदद मिल सके। मैं जितने लायक हूं, उतनी मदद करता रहूंगा। क्योंकि जब पानी निकल जाएगा, तब असल में पता चलेगा कि नुकसान कितना हुआ है। ऐसे में हमें पानी निकलने के बाद भी वहां पर लोगों की मदद के लिए पहुंचना होगा।' एक्टर और बिजनेसमैन राज कुंद्रा भी बाढ़ पीडि़तों की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने घोषणा की है कि उनकी आने वाली पंजाबी फिल्म मेहर की पहले दिन की बॉक्स ऑफिस कमाई बाढ़ पीडि़तों को दी जाएगी।

राज कुंद्रा ने यह जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और लोगों से अपील की कि वे भी आगे आएं ताकि जरूरतमंदों की मदद की जा सके। बताते चलें कि पंजाब के 9 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

## बिहार चुनाव को लेकर मनोज बाजपेयी की अपीलःजाति-धर्म की राजनीति से बचें, भविष्य नोट से नहीं, वोट से गढ़े

मुंबई। बिहार में कुछ ही दिनों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बूथ तक जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करे। एक्टर मनोज बाजपेयी ने दैनिक भास्कर के जरिए बिहार चुनाव को लेकर जनता से खास अपील की है। 'ऐसे नेताओं को मत चुनिए जो जाति और धर्म की राजनीति से समाज को बांटते हैं। याद रखिए, भविष्य नोट से नहीं, वोट से बनता है।' बिहार में विधानसभा चुनाव की गहमागहमी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश एक बार फिर लोकतंत्र के इस महापर्व की तैयारी में है। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बूथ तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग करे। मतदान केवल एक अधिकार नहीं है, बल्कि ऐसी जिम्मेदारी है जिससे लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। हम अक्सर शिकायत करते हैं कि चुनाव तो हर बार होते हैं, हम वोट भी डालते हैं, लेकिन हालात नहीं बदलते। असली वजह यह है कि हम जाति, धर्म और प्रलोभन की राजनीति में फंसकर मतदान करते हैं। जब तक यह

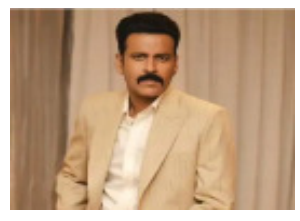

स्थिति बनी रहेगी, बदलाव संभव नहीं है। सही और सच्चे उम्मीदवार का चयन ही असली समाधान है। बिहार तभी बदलेगा जब जनता अपनी ताकत पहचानेगी। जातीय या पैसों के लालच से दूर रहकर ईमानदार और दूरदर्शी नेतृत्व के पक्ष में मतदान करेगी।आज बिहार की सबसे बड़ी जरूरत शिक्षा और रोजगार है। रोजगार तभी आएगा जब राज्य की शिक्षा व्यवस्था सशक्त और आधुनिक बनेगी। कभी बिहार नालंदा और विक्रम शिला जैसे विश्वविद्यालयों के कारण पूरे देश और दुनिया में शिक्षा का केंद्र था। आज शिक्षा की बदहाली चिंता का विषय है। यह चुनाव अवसर है कि हम ऐसे नेतृत्व का चयन करें जो शिक्षा को प्राथमिकता दे। नई पीढ़ी के लिए ठोस योजना बनाए। इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। बिहार की महिलाएं हमेशा परिवर्तन की धुरी रही हैं। अगर वे बड़ी संख्या में मतदान करेंगी, तो राजनीति और समाज दोनों की दिशा बदलेगी। युवाओं पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हर युवा को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराकर मतदान करना चाहिए। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने की सबसे बड़ी ताकत है। सही नेता वही है जो जनता की समस्याओं को समझे और उन्हें दूर करने का संकल्प ले।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।